शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 50 | गुवाहाटी | सोमवार, 21 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मॉस्को पर बरसाए हजार से ज्यादा ड्रोन, तेल रिफाइनरी और रिहायशी इमारत बनीं निशाना पेज 2
असम की विरासत और संस्कृति के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भाजपा पेज 3
भाजपा ने पंचायत चुनाव की तैयारियों पर की संगठनात्मक बैठक पेज 5
युवराज सिंह के छह छक्कों की बराबरी में लगी 14 साल, कीरोन पोलार्ड ने... पेज 7

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

राज्य में अडानी पावर की 3,200 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना की सीएम ने रखी आधारशिला

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को धुबड़ी जिले के चापर में अडानी पावर लिमिटेड की 3,200 मेगावाट क्षमता वाली अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना का शिलान्यास किया। करीब 48,000 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश के रूप में सामने आई है। परियोजना के निर्माण चरण में करीब 20 हजार लोगों को रोजगार मिलने और पूरी तरह चालू होने के बाद लगभग पांच हजार स्थायी रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। परियोजना से दिसंबर, 2030 से चरणबद्ध तरीके से बिजली उत्पादन शुरू होने की संभावना है। अडानी समूह के निदेशक जीत अडानी ने बताया कि परियोजना में 800 मेगावाट क्षमता की चार इकाइयां होंगी। इसमें उच्च दक्षता वाली प्रणालियों और आधुनिक पर्यावरण सुरक्षा उपायों के साथ उन्नत अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। चापर की परियोजना असम के ऊर्जा क्षेत्र में अडानी समूह के प्रस्तावित 63,000 करोड़ के कुल निवेश का हिस्सा है। इसमें करीब 48,000 करोड़ चापर ताप विद्युत परियोजना और लगभग 15,000 करोड़ अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के तहत 2,700 मेगावाट क्षमता वाली दो पंप्ड स्टोरेज विद्युत परियोजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा पूरे असम में स्मार्ट मीटर परियोजना भी लागू की जा रही है। इससे राज्य की बिजली वितरण व्यवस्था को आधुनिक बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम तेजी से पूर्वोत्तर के प्रमुख ऊर्जा केंद्र के रूप में उभर रहा है और चापर परियोजना *एडवांटेज असम इन्वेस्टर्स समिट 2.0* की उपलब्धियों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि परियोजना से रोजगार के साथ आर्थिक गतिविधियों और एसजीएसटी राजस्व में भी वृद्धि होगी तथा स्थानीय उद्योगों, ठेकेदारों और छोटे कारोबारियों के लिए अवसर पैदा होंगे। जीत अडानी ने कहा कि ऊर्जा, विमानन और सीमेंट सहित विभिन्न क्षेत्रों में असम में अडानी समूह का कुल निवेश 80,000 करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से अगले तीन से चार वर्षों में राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार और नए आर्थिक अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि चापर -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की बैटरी बन सकता असम : जीत अडानी

गुवाहाटी। रविवार को असम के ऊर्जा लक्ष्यों को बड़ी गति मिली, जब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने धुबड़ी जिले के चापर में अडानी पावर के 3,200-मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी। इस प्रोजेक्ट को राज्य में अब तक के सबसे बड़े निवेशों में से एक माना जा रहा है। 48,000 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट में 800-मेगावाट की चार इकाइयां (यूनिट्स) शामिल हैं। इससे असम की बिजली उत्पादन क्षमता में काफी बढ़ोतरी होने और हजारों नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही, इससे स्थानीय ठेकेदारों, सप्लायर्स, ट्रांसपोर्टर्स और सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए भी अवसर खुलेंगे। आधारशिला रखने के कार्यक्रम में बोलते हुए, अडानी ग्रुप के डायरेक्टर जीत अडानी ने कहा कि असम एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र के रूप में उभर सकता है और आने वाले वर्षों में *भारत की बैटरी* बन सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में, असम न केवल अपनी जरूरतों के लिए ऊर्जा पैदा करेगा, बल्कि एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र भी बनेगा और पूरे देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देगा। आप कह सकते हैं कि असम में भारत की बैटरी बनने की क्षमता है। चापर प्रोजेक्ट के दिसंबर 2030 से चरणों में शुरू होने की उम्मीद है। जीत - शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : एचएसएलसी, हायर सेकेंडरी एग्जाम में होगी देरी

कोकराझाड़। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने घोषणा की है कि राज्य में हाल ही में आई बाढ़ की वजह से हुई दिक्कतों का हवाला देते हुए एचएसएलसी (मैट्रिक) और हायर सेकेंडरी के फाइनल एग्जाम अपने तय शेड्यूल से बाद में हो सकते हैं। यह घोषणा शिक्षा मंत्री के दरांग जिले के देवमरनोई दौरे के दौरान की गई, जहां वे देवमरनोई हायर सेकेंडरी स्कूल में नई बनी एकेडमिक बिल्डिंग के उद्घाटन में शामिल हुए। दौरे के दौरान, पेगु ने एमएलए परमा राज के साथ इलाके के चार और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन — देवमरनोई कॉलेज (जूनियर), देवमरनोई ग्रेजुएट कॉलेज, देवमरनोई गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल और देवमरनोई बीएड -शेष पृष्ठ दो पर

जनगणना ड्यूटी के बाद आपसी ट्रांसफर के लिए मंजूरी पाए शिक्षकों को रिलीव करने का आदेश

गुवाहाटी। असम सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के जरिए रविवार, 20 सितंबर को आदेश दिया कि जिन स्कूल शिक्षकों के आपसी ट्रांसफर के आवेदन मंजूर हो गए हैं, उन्हें जनगणना 2026-27 के पहले चरण के पूरा होने के बाद तुरंत रिलीव किया जाए। यह आदेश तब आया है जब जनगणना से जुड़े कामों के लिए अस्थायी तौर पर तैनात किए गए शिक्षक अपनी-अपनी जगहों पर वापस लौट आए हैं। विभाग ने अधिकारियों को आपसी ट्रांसफर की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है ताकि शिक्षक बिना किसी और प्रशासनिक देरी के अपने नए स्कूलों में शामिल हो सकें। शिक्षा मंत्री रानोज पेगु ने सोशल मीडिया पर यह आदेश शेयर किया। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जुए में लिप्त रहने वाले के कार्य पूरे नहीं होते हैं।

- आचार्य चाणक्य

भारत की बेटी नीला विखे पाटिल स्वीडन में बनीं सांसद

मुंबई। महाराष्ट्र की बेटी नीला विखे पाटिल स्वीडन में सांसद चुनी गई हैं। वह प्रख्यात शिक्षाविद अशोक विखे पाटिल की पुत्री हैं। चुनाव में जीत के बाद नीला ने कहा कि वह उन लोगों की आवाज बनना चाहती हैं, जो मतदान नहीं कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों के कल्याण और पर्यावरण के क्षेत्रों में कार्य करने की बात कही है। 41 वर्षीय नीला विखे पाटिल स्वीडन की ग्रीन पार्टी से जुड़ी हैं। ग्रीन पार्टी ने उन्हें स्टाकहोम शहर निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया था। 13 सितंबर को मतदान हुआ था, जिसके नतीजे धीरे-धीरे घोषित हो रहे हैं। चुनाव के अंतिम नतीजे 20-21 सितंबर तक आने की उम्मीद है। इस बीच नीला ने अपनी सीट जीत ली है। जीत के बाद नीला ने कहा कि 349 -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स देशों में भी भारत का डंका

चीन ने पांच महीनों में की 9.6 अरब डॉलर की शॉपिंग

नई दिल्ली। ब्रिक्स समिट 2026 में इस बात पर जोर रहा कि सहयोगी देशों के बीच आपसी सहयोग, व्यापार को बढ़ावा दिया जाए। अब जो रिपोर्ट सामने आई है, वो इस दावे को और मजबूत करते हैं। भारत के निर्यात से जुड़ा, जो आंकड़ा आया है, उसके मुताबिक ब्रिक्स देशों के साथ भारत के एक्सपोर्ट में बड़ा इजाफा हुआ है। खासकर चीन के साथ भारत का निर्यात 39 प्रतिशत तक उछला है। वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में ब्रिक्स के 5 देशों के लिए भारत के निर्यात में 34 फीसदी का उछाल आया है, भारत का निर्यात 34 फीसदी बढ़कर 19.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। अगर सिर्फ चीन के निर्यात को देखें, तो भारत का एक्सपोर्ट 39 फीसदी तक बढ़ा, जो करीब 9.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारत के कुल निर्यात में ब्रिक्स के चार प्रमुख देशों (चीन, दक्षिण -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली एसआईआर में आडवाणी, पूर्व सेनाध्यक्ष और बांसुरी स्वराज को भी नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में सामने आ रही खामियों ने कई नामचीन लोगों के नाम भी जांच के दायरे में ला दिए हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, सांसद बांसुरी स्वराज और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी समेत कई प्रमुख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें अधिकतर मामले पिछली एसआइआर की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं होने के बताए गए हैं। उप-प्रधानमंत्री एलके आडवाणी का नाम 33 लाख वोटर्स की लिस्ट में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, 98 साल के आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस भेजे गए हैं। उनके नाम 2002 के एसआईआर वोटर लिस्ट से मैच नहीं हो सके हैं। वहीं, उनके बेटे जयंत का नाम का मिलान हो गया है। ये चारों नई दिल्ली विधानसभा के वोटर हैं। इनके अलावा मनीष सिसोदिया को भी नोटिस दिया गया है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के अलावा उनकी पत्नी और बेटे मीर को भी नोटिस भेजे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग ने सिसोदिया को नोटिस भेजने का कोई कारण नहीं बताया है, लेकिन मीर को भेजे गए नोटिस में माता पिता के नाम में गड़बड़ी की बात कही गई है। इसके अलाव उनकी पत्नी सीमा को भेजे नोटिस में -शेष पृष्ठ दो पर

कांगपोकपी में सात ग्रामीणों को हिरासत में लेने पर बवाल, रिहाई के बाद शांत हुआ प्रदर्शन

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों द्वारा सात कुकी ग्रामीणों को कथित तौर पर हिरासत में लिए जाने को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध किया और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे से आधी रात तक मोटबुंग और आसपास के इलाकों में प्रदर्शन जारी रहा तथा इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर सड़कों पर टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। -शेष पृष्ठ दो पर

टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने को गैरकानूनी बताया : कहा...

बहुमत नहीं, डायरेक्टर्स की मंजूरी जरूरी

जमशेदपुर। टाटा ट्रस्ट ने एन. चंद्रशेखरन को दोबारा 5 साल के लिए टाटा संस का चेयरमैन बनाने के फैसले को गैरकानूनी बताया है। ट्रस्ट ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि कंपनी के नियमों के मुताबिक चेयरमैन पद के लिए उनके दोनों प्रतिनिधियों की सहमति अनिवार्य है। टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा ट्रस्ट्स के पास ही है, इसलिए उसके इस विरोध का असर कंपनी के लीडरशिप फैसले पर पड़ सकता है। ट्रस्ट के नॉमिनी डायरेक्टर नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के खिलाफ वोट दिया तो सिर्फ बोर्ड के बाकी मेंबर्स के वोट से यह प्रस्ताव पास नहीं हो सकता। दरअसल, मतभेदों के चलते चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को इस्तीफा दे दिया था और लेकिन 17 सितंबर को टाटा संस बोर्ड ने उनका कार्यकाल 2032 तक बढ़ाने का फैसला कर लिया। अभी इस फैसले को सालाना आम बैठक की मंजूरी मिलना बाकी है। टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन यानी कंपनी के नियमों के मुताबिक, किसी भी बड़े फैसले या प्रस्ताव -शेष पृष्ठ दो पर

जयंत हजारिका की जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को प्रख्यात असमिया गायक एवं संगीतकार जयंत हजारिका की जयंती पर उन्हें गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने जयंत हजारिका को असमिया संगीत जगत का एक उज्ज्वल नक्षत्र और सुरों का जादूगर बताते हुए उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जयंत हजारिका की मधुर आवाज, हृदयस्पर्शी गीतों और अनूठी -शेष पृष्ठ दो पर

सब्सिडी वाले एलपीजी सिलिंडर के लिए आधार सत्यापन जरूरी : सरकार

नई दिल्ली। घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर सब्सिडी का लाभ लेने के लिए एक अक्तूबर से आधार बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण पूरा करना जरूरी होगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सब्सिडी का लाभ केवल पात्र उपभोक्ताओं को मिले और फर्जी या डुप्लीकेट कनेक्शन के जरिए इसका दुरुपयोग न हो। जिन ग्राहकों ने पहले ही आधार बायोमीट्रिक सत्यापन या ई-केवाईसी करा लिया है, उन्हें दोबारा प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में तेजी से घट रहा भूजल, दुनिया के 34 प्रतिशत केंद्रों में गहराया संकट

नई दिल्ली। दुनियाभर में भूजल का संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर 34 प्रतिशत भूजल निगरानी केंद्रों पर जल स्तर सामान्य से नीचे दर्ज किया गया, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 25 प्रतिशत था। इस प्रकार महज एक साल के भीतर इस संकट में 9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। भारत के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जहां भूजल स्तर सामान्य से काफी नीचे पहुंच चुका है। वैश्विक स्तर पर पिछले तीन वर्षों के दौरान भूजल की स्थिति तेजी से खराब हुई है। वर्तमान में दुनिया के 65 प्रतिशत भूजल निगरानी केंद्रों पर जल स्तर सामान्य सीमा से बाहर चला गया है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच भारत के अलावा अमेरिका, यूरोप, मेक्सिको, चिली, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में भूजल में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभाव से पिछले तीन वर्षों में दुनिया भर के ग्लेशियरों से 1400 गीगाटन बर्फ पिघलकर नष्ट हो चुकी है। पिछले पांच वर्षों में पानी की किल्लत और उससे जुड़ी समस्याओं के कारण हुई कुल मौतों में से -शेष पृष्ठ दो पर

विकास की गति सुरक्षित रखते हुए जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता बढ़ाने की जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि संधारणीय वनीकरण का वास्तविक लक्ष्य केवल *पेड़ लगाना* नहीं बल्कि स्वस्थ और स्व:निर्भर पारिस्थितिक तंत्रों को फिर से स्थापित करना है। राष्ट्रपति ने यह बात आज दिल्ली में राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा *पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन का भविष्य* विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में कही। उन्होंने कहा कि हमें पारंपरिक ज्ञान पर आधारित लोक केन्द्रित एवं समुदाय आधारित अनुकूलन तरीकों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता को सुदृढ़ करने के प्रयास करने चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव अस्तित्व के अनेक स्तरों पर असंतुलन पैदा करता है। जैव-विविधता का ह्रास, जल संकट और भू-क्षरण जैसी समस्याएं इससे गहराई से जुड़ी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका पर भी गंभीर प्रभाव सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जटिल चुनौती का समुचित प्रकार से सामना करने के लिए नीतियों और कार्रवाई का एक सुगठित ढांचा आवश्यक है। ऐसी व्यवस्था, जिसमें केवल सरकारें और कानूनी विशेषज्ञ ही नहीं बल्कि वे समुदाय भी सक्रिय रूप से भागीदार हों, जिनको जलवायु परिवर्तन सर्वाधिक प्रभावित करता है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

मॉस्को पर बरसाए हजार से ज्यादा ड्रोन, तेल रिफाइनरी और रिहायशी इमारत बनीं निशाना

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में रविवार रात बड़ा ड्रोन हमला हुआ। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन की सेना ने रूस के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ क्रीमिया और काला सागर के इलाके को निशाना बनाकर 1,000 से अधिक ड्रोन भेजे। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने इसे राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने देशभर में, रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी प्रायद्वीप क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र में यूक्रेन के 1,100 ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के अनुसार, राजधानी की ओर बढ़ रहे करीब 450 ड्रोन नष्ट किए गए। उन्होंने बताया कि कुछ ड्रोन मॉस्को तेल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत से टकराए। रूसी अधिकारियों के दावों के मुताबिक, हमले का दायरा काफी बड़ा था और ड्रोन देश के कई हिस्सों में देखे गए। इस बड़े हमले के कारण रूस की वायु रक्षा व्यवस्था को बड़े पैमाने पर सक्रिय होना पड़ा। यूक्रेन का यह हमला ऐसे समय हुआ जब रूस में संसदीय चुनाव का तीसरा और आखिरी दिन चल रहा था। यह चुनाव युद्ध शुरू होने के बाद रूस में होने वाला पहला संसदीय चुनाव है। चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्ष की मौजूदगी बेहद सीमित रही है। ऐसे में इस चुनाव के बाद क्रेमलिन के राजनीतिक प्रभुत्व के और मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है। रूस और यूक्रेन दोनों ही पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के इलाकों में ड्रोन हमलों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं।

कम बारिश और अल नीनो की दोहरी मार

चावल उत्पादन में एक करोड़ टन की आ सकती है कमी

नई दिल्ली। मानसून की वापसी शुरू होने के साथ ही इस बार धान के उत्पादन घटने की चिंता बढ़ गई है। पहले बारिश की कमी के चलते धान का रकबा घटा और अब फसल तैयार होने के समय नमी की कमी से प्रति हेक्टेयर पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ा है। इसी बीच अल नीनो भी आने वाले महीनों में मौसम को अत्यधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है। पिछले साल देश में रिकार्ड 15.4 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ था, जिसमें इस बार एक करोड़ टन की कमी आ सकती है। कृषि मंत्रालय का अनुमान लगभग 14.4 करोड़ टन चावल उत्पादन का है। यह पिछले एक दशक के दौरान चावल उत्पादन की सबसे बड़ी गिरावट होगी। ऐसे में नई फसल में कमी से बाजार में कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है और निर्यात भी महंगा हो सकता है। मगर सुकून की बात है कि पर्याप्त मात्रा में बफर स्टाक है। सितंबर तक राज्यों के पास चावल का कुल सरकारी भंडार करीब 5.96 करोड़ टन था, जो जरूरत से काफी अधिक है। इसलिए उत्पादन घटने के बावजूद घरेलू आपूर्ति और निर्यात को तुरंत झटका लगना जरूरी नहीं है। भारत में एक जून से अब तक मानसूनी बारिश सामान्य से करीब 15 प्रतिशत कम रही है। कई प्रमुख धान उत्पादक क्षेत्रों में कमी 42 प्रतिशत तक पहुंची है। 19 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी भी शुरू हो गई है। इसका मतलब है कि धान की फसल के लिए बारिश का मुख्य दौर लगभग समाप्त हो चुका है। बारिश में कमी का असर सिर्फ पैदावार पर नहीं पड़ा है। कृषि मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के अनुसार, धान की खेती का क्षेत्र पिछले साल के 445.92 लाख हेक्टेयर से घटकर 429.28 लाख हेक्टेयर रह गया है। यानी 16.64 लाख हेक्टेयर में इस बार धान की बुवाई नहीं हुई है। प्रतिशत में यह गिरावट 3.73 है। खरीफ के मौसम में बोया जाने वाला धान देश के कुल चावल उत्पादन में करीब 80 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है। इसलिए रकबे में यह कमी सीधे कुल उत्पादन पर दबाव डालती है। बारिश में कमी का असर सिर्फ धान तक सीमित नहीं है। इस साल खरीफ का कुल रकबा पिछले वर्ष के 1118.95 लाख हेक्टेयर से घटकर 1103.90 लाख हेक्टेयर रह गया है। यानी 15 लाख हेक्टेयर की कमी है।

हरियाणा में सात आईपीएस व 39 एचपीएस बदले

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार सात आईपीएस व 39 एचपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस संबंध में रविवार को आदेश जारी किए गए हैं। सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, आईपीएस राजेश कुमार को एसपी कानून व्यवस्था पंचकूला का कार्यभार सौंपा है। राजेश कुमार एसटीएफ पंचकूला के एसपी और सोशल आउटरीच कार्यक्रम के एसपी का कार्यभार साथ में संभालेंगे। कई जिलों में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बदल दिए गए हैं। मानेसर की डीसीपी प्रबिना को एसपी जीआरपी अंबाला छावनी नियुक्त किया गया है, जबकि डीसीपी क्राइम फरीदाबाद राजेश मोहन अब डीसीपी सेंट्रल फरीदाबाद होंगे। डीसीपी यातायात गुरुग्राम प्रतीक गहलोत को डीसीपी मानेसर के साथ कमांडेंट चतुर्थ बटालियन मानेसर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डीसीपी ईस्ट सोनीपत आयुष यादव को डीसीपी साउथ गुरुग्राम नियुक्त किया गया है। डीसीपी यातायात फरीदाबाद जयबीर सिंह को डीसीपी क्राइम फरीदाबाद बनाया गया है, जबकि डीसीपी क्राइम सोनीपत ननरेंद्र सिंह को एसपी स्टेट क्राइम ब्यूरो मुख्यालय नियुक्त किया गया है।

ब्लू डायमंड रेस्टोरेंट को सील करने का आदेश

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के वार्ड संख्या-7 के आरएनबी रोड स्थित ब्लू डायमंड रेस्टोरेंट को सार्वजनिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर उसे बंद कर सील करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश कोकराझाड़ के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा 20 सितंबर, 2026 को जारी किया गया। आदेश के अनुसार, कोकराझाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। रिपोर्ट में 27 अगस्त, 2026 को हुई एक घटना के संबंध में कोकराझाड़ थाना कांड संख्या 133/2026 दर्ज किए जाने का उल्लेख है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 127(2), 75(2) एवं 76 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 8, 12 एवं 17 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस रिपोर्ट के हवाले से आदेश में कहा गया है कि रेस्टोरेंट परिसर में एक 15 वर्षीय नाबालिग पीड़िता को कथित रूप से रोककर रखने तथा उसे बचाने के लिए परिसर में प्रवेश करने वाले लोगों को कथित तौर पर रोकने से संबंधित गंभीर आरोप सामने आए हैं। रिपोर्ट में नाबालिगों से जुड़ी कथित अवैध गतिविधियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई है। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि रेस्टोरेंट के संचालक द्वारा आवश्यक ट्रेड लाइसेंस एवं एफएसएसएआई लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया। इन परिस्थितियों को देखते हुए संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत रेस्टोरेंट परिसर को बंद कर सील करने का निर्देश दिया गया है।

बांग्लादेश में विद्रोह के दौरान थानों से लूटे हथियार पहुंचे अपराधियों के पास

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश की स्पेशल रिस्पॉन्स बटालियन (एसआरबी) थानों से लूटे गए सभी हथियारों को बरामद नहीं कर सकी है। 2024 में छात्र-जन विद्रोह के दौरान थानों से हजारों हथियार लूटे गए थे। अब तक 1,306 हथियार गायब हैं। इनमें से कुछ हथियारों का प्रयोग बाद में अपराधियों ने किया। इन हथियारों से ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर हमले किए गए। इससे चिंता बढ़ गई है कि बाकी हथियारों का इस्तेमाल आसन्न स्थानीय चुनाव में अपना दबदबा बनाने के लिए किया जा सकता है। एसआरबी को नौ सितंबर को इन हथियारों को बरामद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, एसआरबी जनता से मदद मांग रही है। जानकारी देने वालों को इनाम देने की पेशकश की गई। लोगों को भरोसा दिलाया जा रहा है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, 5 अगस्त 2024 को अलग-अलग थानों से 5,763 हथियार लूटे गए । इनमें से 14 सितंबर तक 4,457 हथियार बरामद कर लिए गए, जबकि 1,306 अभी भी गायब हैं। इसी दौरान 6,52,008 राउंड गोला-बारूद भी लूटा गया। इनमें से 3,94,895 राउंड बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 2,57,113 राउंड अभी भी गायब हैं। सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर हथियार और गोला-बारूद किशोर गैंग के सदस्यों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने लूटे थे। कुछ हथियार बाद में कम कीमत पर आपराधिक समूहों को बेच दिए गए। अब इन हथियारों का इस्तेमाल हत्या, जबरन वसूली, झपटमारी, डकैती, ड्रग्स के कारोबार और जमीन हड़पने जैसे अपराधों में किया जा रहा है। कुछ हथियार लुटेरों, अपहरणकर्ताओं, किशोर गैंग, समुद्री लुटेरों और जंगल में लूटपाट करने वालों तक भी पहुंच गए हैं। पुलिस ने हाल ही में पुष्टि की है कि 26 अगस्त को चटगांव के अपराधी मुबारक हुसैन, उर्फ *गलाकाटा मुबारक* को गिरफ्तार करने के ऑपरेशन के दौरान उन पर जिस पिस्तौल से गोली चलाई गई, वह 5 अगस्त, 2024 को चटगांव के कोतवाली पुलिस स्टेशन से लूटी गई थी। पुलिस के अनुसार, मुबारक ने जांच अधिकारी को बताया कि उसे यह हथियार एक अन्य अपराधी से मिला था, जिससे पता चलता है कि लूट के बाद यह हथियार कई लोगों के हाथों से गुजरा था। एक अन्य मामले में मीरपुर में बरामद एक विदेशी पिस्तौल के बारे में पता चला कि उसे 5 अगस्त के बाद थाने से लूटा गया था। 2 मार्च को सैयदबाद बस टर्मिनल इलाके में एक ऑपरेशन के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल डिपार्टमेंट के एक इंस्पेक्टर को गोली मार दी गई थी। पुलिस ने इस घटना में शामिल संदिग्ध अपराधी और ड्रग डीलर *ऑटो सजल* को गिरफ्तार किया। उससे मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस ने स्वामीबाग में एक किराए के घर से दो विदेशी पिस्तौल, चार मैगजीन, 77 राउंड कारतूस और 59 ग्राम हेरोइन बरामद की। सजल ने पुलिस को बताया कि ये हथियार अगस्त में वारी पुलिस स्टेशन से लूटे गए थे। पिछले शनिवार को, पुलिस ने अराइहजार बाजार सेंट्रल जामा मस्जिद की दूसरी मंजिल पर एक शेल्फ से एक पिस्तौल, दो मैगजीन और 20 कारतूस बरामद किए। पुलिस ने बताया कि यह सामग्री 2024 के विद्रोह के दौरान अराइ हजार पुलिस स्टेशन से हथियार लूटी गई थी। पुलिस जांच में लूटे गए हथियारों को बेचे जाने के सुबूत भी मिले हैं। कुछ लोगों ने लूटी गई पिस्तौल तो मात्र 50,000 टका में बेच दी हैं। एसआरबी के वरिष्ठ अधिकारी विंग कमांडर एजेडएम एंटेखाब चौधरी ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें लूटे गए या गैरकानूनी हथियारों के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी हो, तो वे सूचित करें। उन्होंने कहा कि हथियारों को बरामद करने कि लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि खुलना, राजशाही और चटगांव समेत कई इलाकों में गैरकानूनी हथियारों के बारे में कुछ शुरुआती जानकारी मिली है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में अडानी पावर ...

परियोजना से स्थानीय ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं, परिवहन संचालकों और विभिन्न सेवा प्रदाताओं के लिए भी कारोबारी अवसर पैदा होंगे। उन्होंने असम की भौगोलिक स्थिति को देश में एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित होने की संभावना के लिए महत्वपूर्ण बताया। समूह के अनुसार, असम में उसके निवेश में गुवाहाटी स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे का नया टर्मिनल-2 भी शामिल है, जिसे 22 फरवरी 2026 से यात्रियों के लिए पूरी तरह चालू किया गया है। अडानी फाउंडेशन ने भी असम में सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई पहल शुरू की हैं। संस्था ने शिवसागर और धेमाजी जिलों के आठ हजार से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री, दवाइयां और स्वच्छता सामग्री वितरित की है। इसके अलावा कामरूप ग्रामीण जिले के 19 गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, सामुदायिक बुनियादी ढांचे और जलवायु जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अडानी पावर को अक्तूबर 2025 में प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से 3,200 मेगावाट की इस परियोजना की स्थापना का ठेका मिला था। इसके बाद नवंबर 2025 में असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से कंपनी को औपचारिक कार्यादेश प्राप्त हुआ। अडानी पावर के अनुसार, कंपनी वर्तमान में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान समेत नौ राज्यों में 13 ताप विद्युत परियोजनाओं का संचालन कर रही है, जिनकी कुल क्षमता 18,290 मेगावाट है। इसके अलावा गुजरात में कंपनी का 40 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र भी है।

भारत की बैटरी बन ...

अडानी ने कहा कि असम में ग्रुप का निवेश अब घोषणाओं से आगे बढ़कर असल काम में बदल रहा है। पिछले साल *राइजिंग नॉर्थईस्ट ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट* में पूर्वोत्तर में 10 वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश करने के अडानी ग्रुप के वादे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि असम में पहले ही लगभग 80,000 करोड़ रुपए का निवेश चल रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रुप ने स्थानीय स्तर पर लोगों को नौकरी पर रखना भी शुरू कर दिया है। अडानी ने कहा कि हमने यहां पहले ही चार-पांच जॉब ड्राइव (भर्ती अभियान) आयोजित किए हैं और असम के 4,500 स्थानीय युवाओं को नौकरी पर रखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि असम में ग्रुप के कारोबार से लगभग 40,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। कार्यक्रम में पेश किए गए प्रोजेक्ट के विवरण के अनुसार, अकेले इस नए पावर प्रोजेक्ट से निर्माण के दौरान 20,000 तक और चालू होने के बाद लगभग 5,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल प्लांट में हाई-एफिशिएंसी (उच्च दक्षता वाली) उत्पादन तकनीक और पर्यावरण से जुड़े आधुनिक सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके बड़े पैमाने पर निर्माण से स्थानीय बिजनेस इकोसिस्टम बनने की भी उम्मीद है, जिसमें कॉन्ट्रैक्टर, सप्लायर, लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर और सर्विस प्रोवाइडर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह प्रोजेक्ट असम में निवेशकों का भरोसा बढ़ने का नतीजा है और इसे राज्य में अब तक के सबसे बड़े सिंगल इन्वेस्टमेंट में से एक बताया। शर्मा ने कहा कि असम तेजी से इस क्षेत्र के एनर्जी हब के तौर पर उभर रहा है और कई बड़े एनर्जी प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रोजेक्ट से रोजगार पैदा होंगे, आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय उद्योगों व उद्यमों के लिए मौके बनेंगे। चापर प्लांट, असम में 63,000 करोड़ रुपए के पावर इन्वेस्टमेंट का हिस्सा है, जबकि राज्य में अलग-अलग सेक्टर में अडानी ग्रुप का इन्वेस्टमेंट 80,000 करोड़ रुपए से ज़्यादा होने का अनुमान है। अगले कुछ सालों में शुरू होने वाले इस प्रोजेक्ट से असम के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर में एक अहम बढ़ोतरी होगी। साथ ही, निर्माण कार्य, रोजगार और स्थानीय सप्लायर व बिजनेस के नए नेटवर्क के जरिए यह निचले असम, खासकर धुबड़ी के आस-पास के इलाके की आर्थिक तस्वीर बदल सकता है।

बाढ़ : एचएसएलसी, हायर...

कॉलेज — का भी दौरा किया और स्टूडेंट्स से बातचीत की और एजुकेशनल माहौल का रिव्यू किया। हाल ही में आई बाढ़ और जनगणना से जुड़े कामों में रुकावटों को देखते हुए, असम स्टेट स्कूल एजुकेशन बोर्ड (एएसएसईबी), डिवीजन-1 ने 10वीं क्लास के छात्रों के लिए रेगुलर पढ़ाई का समय 22 फरवरी, 2027 तक और 12वीं क्लास की पढ़ाई 8 मार्च, 2027 तक बढ़ा दिया है। पढ़ाई के समय में इस बदलाव से एचएसएलसी और हायर सेकेंडरी की फाइनल परीक्षाओं के शेड्यूल में देरी होने की उम्मीद है। बोर्ड ने कहा है कि परीक्षा की तारीखें पढ़ाई के नए शेड्यूल के हिसाब से तय की जाएंगी। इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि बोर्ड परीक्षाओं में बैठने से पहले छात्रों को क्लास में ठीक से पढ़ाया जाए और उन्हें अपना सिलेबस पूरा करने के लिए काफी समय मिले। उम्मीद है कि अधिकारी फाइनल परीक्षा की तारीखों का ऐलान अलग से करेंगे।

जनगणना ड्यूटी के बाद ...

ने उन शिक्षकों को रिलीव करने का निर्देश दिया है जिनका ट्रांसफर मंजूर हो चुका है, ताकि वे अपनी नई पोस्टिंग वाली जगहों पर जॉइन कर सकें। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे दोनों डायरेक्टरेट के तहत आपसी ट्रांसफर (म्यूचुअल ट्रांसफर) के लिए मंजूरी पा चुके शिक्षकों को रिलीव करने की प्रक्रिया शुरू करें ताकि वे तुरंत अपनी नई पोस्टिंग वाली जगहों पर जॉइन कर सकें। पूरे राज्य में इसे लागू करने के लिए, विभाग ने संबंधित डायरेक्टर्स को निर्देश दिया है कि वे सभी स्कूल इंस्पेक्टरों और जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (डीईईओएस) को जरूरी आदेश जारी करें ताकि आपसी ट्रांसफर की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जा सके। हालांकि, यह निर्देश उन जिलों के लिए एक शर्त के साथ आया है जहां चुनाव या उपचुनाव के कारण अभी आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू है। आदेश में कहा गया है कि जिन जिलों में एमसीसी लागू है, वहां शिक्षकों को एमसीसी खत्म होने के बाद ही रिलीव किया जाना चाहिए। इसके अनुसार, एमसीसी वाले जिलों में तैनात शिक्षकों को तब तक इंतजार करना होगा जब तक कि कोड हटा नहीं लिया जाता; उसके बाद ही उन्हें औपचारिक रूप से रिलीव किया जा सकेगा और वे अपने नए आवंटित स्कूलों में जॉइन कर सकेंगे। विभाग का यह ताजा निर्देश जनगणना के अस्थायी काम से शिक्षकों की वापसी के बाद रुकी हुई आपसी ट्रांसफर प्रक्रिया को पूरा करने के मकसद से जारी किया गया है, साथ ही उन जिलों में चुनाव से जुड़ी पाबंदियों का पालन भी सुनिश्चित किया जा रहा है जहां एमसीसी अभी भी लागू है।

चीन ने पांच महीनों ...

अफ्रीका, ब्राजील और रूस) की हिस्सेदारी 9.2 फीसदी रही है, जो एक साल पहले 8.1 फीसदी थी। अप्रैल-अगस्त के बीच इन चार ब्रिक्स देशों को कुल 19.9 अरब डॉलर का निर्यात किया गया है, जो एक साल पहले समान अवधि में 14.9 अरब डॉलर था। ये आंकड़े दिखाते हैं कि ब्रिक्स देशों के बीच भागीदारी बढ़ी है। भारत का ब्रिक्स देशों को निर्यात बढ़ा है। निर्यात के ये आंकड़े बता रहे हैं कि ब्रिक्स देशों के बीच भारत की पकड़ मजबूत हो रही है। ब्रिक्स देशों का आपसी व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। भारत के लिए बड़ा बाजार तैयार हो चुके हैं। ब्रिक्स देशों के बाजार अमेरिकी टैरिफ के खतरे से लड़ने के लिए भारत के पास बड़ा विकल्प बन सकते हैं। भारत के लिए नए व्यापारित साझेदारी के ऑप्शन खुल सकते हैं। अगर के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बूस्ट मिलेगा। चीन के साथ नीर्यात बढ़ना भारत के व्यापारिक घाटे को कम करने में मदद मिलेगा, जो सबसे बड़ा पॉजिटिव प्वाइंट है।

दिल्ली एसआईआर में ...

उनके अपने नाम में अंतर का कारण बताया गया है। चुनाव आयोग के सीनियर अधिकारी ने कहा है कि ये नोटिस वोटरों की तरफ से अपने एन्यूमरेशन फॉर्म में दी गई जानकारी में लॉजिकल गड़बड़ियों को कारण भेजे गए हैं। उन्होंने पुष्टी की है कि आडवाणी और सिसोदिया के नाम उन 33.13 लाख वोटरों की लिस्ट में शामिल हैं। इन्हें नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने कहा है कि वोटरों की तरफ से दिए गए तथ्यों और दस्तावेजों की जांच पड़ताल की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके नाम फाइनल वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि तथ्यों और दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया चल रही है। उसी के अनुसार एंट्रीज को वैलिडेट किया जा रहा है। इनके अलावा कई प्रमुख वोटर्स के नाम इस लिस्ट में शामिल हैं। इनमें बड़े सरकारी अधिकारी, नौकरशाह को नोटिस भेजे गए हैं। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल को भी इसी तरह के नोटिस भेजे गए हैं। हालांकि, डॉक्यूमेंट्स को वैरिफाइ कर रेखा गुप्ता की एंट्री को वैलिडेट कर दिया गया है। उनका नाम शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र की फाइनल वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए रखा गया है। इसे 4 नवंबर को पब्लिश किया जाएगा। चुनाव आयोग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, 30 जून से 17 अगस्त के बीच घर-घर जाकर किए गए वेरिफिकेशन के दौरान हर वोटर को एक एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करना था। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामि लगभग 97 लाख वोटरों में 33.13 लाख वोटरों के एन्यूमरेशन फॉर्म में गड़बड़ियों को कारण नोटिस भेजे गए हैं। अब तक 31.63 लाख से ज्यादा नोटिस भेजे जा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा नोटिस 2002 में पिछली एसआईआर के दौरान तैयार वोटर लिस्ट में संबंधित रिकॉर्ड न होने से जुड़े हैं। यह नोटिस एसआईआर के दावे और आपत्तियों वाले चरण के तहत जारी किए जा रहे हैं, जो 30 सितंबर को खर्च होंगे। वोटरों से कहा गया है कि 29 अक्तूबर तक अपने विधानसभा क्षेत्रों के इलेक्ट्रोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास अपने जवाब और जरूरी दस्तावेज जमा करें।

कांगपोकपी में सात ग्रामीणों ...

प्रदर्शनकारियों का दावा था कि खोलेन गांव के सात ग्रामीणों को सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया। जिले के नागा बहुल चावांगकिनिंग गांव के पास स्थित खोलेन गांव पर हाल ही में हथियारबंद बदमाशों ने हमला किया था। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए भारी निर्माण उपकरणों की मदद से मोटबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (इंफाल-दिमापुर) के कुछ हिस्सों को कथित तौर पर खोद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बाद में सुरक्षा बलों ने सातों ग्राम स्वयंसेवकों को रिहा कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया। अधिकारी ने कहा, जिले में स्थिति अब नियंत्रण में है। इस बीच, कुकी समुदाय की शीर्ष संस्था कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा सात ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की। केआईएम ने एक बयान में अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे स्थानीय नागरिकों को हिरासत में तो ले रहे हैं, लेकिन कुकी महिलाओं की हत्या करने वाले हथियारबंद उपद्रवियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने में विफल रहे हैं।

बहुमत नहीं, डायरेक्टर्स ...

को मंजूरी के लिए टाटा ट्रस्ट के नोमिनेटेड डायरेक्टर्स के वोट अनिवार्य हैं। 17 सितंबर की मीटिंग में टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के री-अपॉइंटमेंट के खिलाफ वोट दिया था, जबकि ट्रस्ट के दूसरे नॉमिनी डायरेक्टर वेणु श्रीनिवासन ने इसका समर्थन किया था। पूरे बोर्ड में प्रस्ताव के पक्ष में 4 और विपक्ष में 1 वोट पड़ा था। हालांकि, ट्रस्ट का कहना है कि जब बोर्ड में उनके 2 प्रतिनिधि हैं, तो बहुमत का मतलब दो वोट होता है, न कि एक। ऐसे में यह शर्त पूरी नहीं हुई और प्रस्ताव खारिज माना जाएगा। टाटा ट्रस्ट ने साफ किया कि जब कोई प्रस्ताव नियम के तहत पहले ही खारिज हो चुका हो, तो चेयरमैन अपने स्पेशल वोट का इस्तेमाल करके उसे दोबारा मंजूर नहीं करा सकते। ट्रस्ट का कहना है कि दोनों प्रतिनिधियों के अलग-अलग वोट देने से कोई भ्रम या अड़चन पैदा नहीं हुई थी। नियम के मुताबिक, जवाब पहले से ही *ना* था। चेयरमैन का स्पेशल वोट सिर्फ तब काम आता है, जब पक्ष और विपक्ष में बराबर-बराबर वोट पड़े हों, खारिज हो चुके फैसले को बदलने के लिए नहीं। टाटा ट्रस्ट ने याद दिलाया कि साइरस मिस्त्री को हटाने के समय टाटा संस ने खुद अदालत में ट्रस्ट के विशेष वोटिंग अधिकारों का समर्थन किया था। ट्रस्ट का कहना है कि तब टाटा संस ने सुप्रीम कोर्ट में माना था कि ये नियम बड़े शेयरहोल्डर्स यानी ट्रस्ट के हक की रक्षा के लिए जरूरी हैं। अब टाटा संस अपने ही उस पुराने रुख से पीछे नहीं हट सकती, जिसके बचाव के लिए वह देश की सबसे बड़ी अदालत तक गई थी। चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 तक है। उन्होंने 12 अगस्त को कहा था कि वे अगला कार्यकाल नहीं लेंगे। इसके बाद नॉमिनेशन कमेटी ने 3 सितंबर को उनसे अपने फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया। 17 सितंबर को चंद्रशेखरन तैयार हो गए। टाटा ग्रुप में पहली बार किसी ग्रुप एग्जीक्यूटिव को 65 साल की तय रिटायरमेंट उम्र के बाद भी पद बनाए रखने पर सहमति बनी। टाटा ग्रुप की पॉलिसी के मुताबिक एग्जीक्यूटिव आमतौर पर 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। हालांकि, नॉन-एग्जीक्यूटिव पद पर वे 70 साल तक रह सकते हैं। चंद्रशेखरन अभी 63 साल के हैं। अगर वे चेयरमैन बने रहेंगे तो उनका नया कार्यकाल 2032 में खत्म होगा, तब वे 70 साल के होंगे। चंद्रशेखरन अक्तूबर 2016 में पहली बार टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए थे।

जयंत हजारिका की ...

रचनाओं ने असमिया संगीत को समृद्ध करने के साथ-साथ राज्य के सांस्कृतिक जीवन में अमिट सुंदरता जोड़ी। उन्होंने कहा कि *राणादा* के संगीत में निहित भावनाएं, प्रेम और असमिया आत्मा की धड़कन पीढ़ी-दर-पीढ़ी सदैव प्रवाहित होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने महान कलाकार की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

सब्सिडी वाले एलपीजी ...

तक 27.43 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी ग्राहकों यानी करीब 89.9 प्रतिशत उपभोक्ताओं का आधार बायोमीट्रिक सत्यापन पूरा हो चुका था। सरकार ने पहले इसके लिए 30 जून की समयसीमा तय की थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 14 सितंबर किया गया। सितंबर 2026 में 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर करीब 210 रुपए की अप्रत्यक्ष सब्सिडी मिल रही है। मंत्रालय के मुताबिक, जिन उपभोक्ताओं ने अब तक सत्यापन नहीं कराया है, वे इसे पूरा करने के बाद सब्सिडी वाले सिलिंडर की बुकिंग कर सकेंगे। उपभोक्ता एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के शोरूम पर या सिलिंडर की डिलीवरी के समय डिलीवरी कर्मचारी के मोबाइल एप के जरिये आधार बायोमीट्रिक सत्यापन करा सकते हैं। तेल कंपनियों के मोबाइल एप से भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आधार बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद नहीं होगी, लेकिन उन्हें सब्सिडी का लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे ग्राहकों को सिलिंडर बाजार मूल्य पर लेना होगा। ऐसे उपभोक्ताओं को अपनी संबंधित तेल कंपनी के डिजिटल प्लेटफार्म वेब पोर्टल, मोबाइल एप, वाट्सएप चैटबाट या आइवीआरएस जैसी सुविधाओं के जरिए पंजीकरण कराना होगा। स्थानीय उपलब्धता के आधार पर उन्हें पांच या 10 किलो के सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

भारत में तेजी से घट ...

80 प्रतिशत मौतें एशिया और अफ्रीका में दर्ज की गईं। वहीं वर्ष 2021 से 2025 के चार वर्षों के दौरान गंगा और सिंधु नदी के ऊपरी बेसिन क्षेत्रों में जमीन के नीचे जमा पानी में लगातार कमी देखी गई है। वर्ष 2025 नदियों के जल प्रवाह के लिहाज से भी अत्यंत प्रतिकूल साबित हुआ है। इस दौरान दुनिया के 36 प्रतिशत नदी क्षेत्रों में पानी का बहाव सामान्य से कम रहा। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1991 से लेकर 2025 तक की समयावधि में यह नदियों के लिए अब तक का सबसे सूखा वर्ष दर्ज किया गया।

विकास की गति सुरक्षित...

ग्रामीण और वनवासी समाज, छोटे किसान, महिलाएं तथा अन्य कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं के प्रति विशेष संवेदनशीलता आवश्यक है क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं का सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं पर पड़ता है। राष्ट्रपति ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां, स्थानीय समुदायों की प्रथाएं और उनके जीवन के अनुभव जलवायु अनुकूलन की क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें पारंपरिक ज्ञान पर आधारित लोक-केन्द्रित एवं समुदाय आधारित अनुकूलन तरीकों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता को सुदृढ़ करने के प्रयास करने चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता को बढ़ाने में संधारणीय वनीकरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जैव विविधता का पोषण करने वाला और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वनीकरण इसमें सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को ऐसा मार्ग तय करना चाहिए जो विकास की गति को सुरक्षित रखते हुए जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता बढ़ाए। जिम्मेदार जलवायुपरक उपायों की प्रतिबद्धताएं देश की विकास संबंधी आवश्यकताओं और आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। वे तकनीकी रूप से व्यवहार्य भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने युवाओं और जन-साधारण को जोड़कर पर्यावरण चेतना बढ़ाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। केंद्र सरकार की *मिशन लाइफ* पहल ने यह दिखाया है कि जनभागीदारी और सामुदायिक पहल के माध्यम से पारिस्थितिक तंत्रों को बेहतर बनाने के लिए बहुत सार्थक कार्य किए जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने अनेक देशों के विशेषज्ञों, न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं और पर्यावरण के मुद्दे पर सक्रिय प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण की इस बात के लिए सराहना की। उन्होंने भरोसा जताया कि इस सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श और बनने वाली कार्य-योजनाओं से समावेशी नीतियों और प्रभावी कार्यों के आधार पर जलवायु परिवर्तन का सामना करने में सक्षम समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत की बेटी नीला ...

सदस्यों वाली संसद का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं शहर और देश के लिए योगदान करने को लेकर उत्साहित हूं। नीला इससे पहले स्टॉकहोम नगर निगम की सिटी काउंसिल में भी निर्वाचित हुई थीं। पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन प्रशासन में उन्होंने प्रधानमंत्री की राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम किया। इस दौरान उनकी मुख्य जिम्मेदारियां वित्त, कर और आवास से जुड़े मामले थे। नीला के पिता अशोक विखे पाटिल महाराष्ट्र में शैक्षणिक संस्थानों की श्रृंखला चलाने वाले विखे पाटिल फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नीला की उपलब्धि पर गर्व है। उधर, नीला ने कहा कि मुझे भारत से प्यार है। मैं भारत से गहरा जुड़ाव महसूस करती हूं।

गुवाहाटी में चोरी के सामान के साथ तीन कथित चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में तीन कथित चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई हाथीगांव, पानबाजार और वशिष्ठ इलाके में की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जियाउर रहमान उर्फ केले, भोला गोवाला और विकास दास के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल फोन और दो चोरी की वाहन बैटरियां बरामद की हैं। इसके अलावा चोरी की वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले डबल-एंडेड स्क्रूड्राइवर और रिंग रिंच भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी शहर में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में शामिल थे या नहीं।

असम की विरासत और संस्कृति के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार असम की सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा, ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के असम प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट अमल नारायण पटवारी ने रविवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने शनिवार को ऐतिहासिक गौरीपुर और कूचबिहार स्थित पवित्र मधुपुर सत्र के दौरे का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विरासत संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गौरीपुर में गदाधर नदी के तट पर स्थित ऐतिहासिक हवाखाना के पुनर्निर्माण और संरक्षण की प्रगति की मौके पर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रख्यात सांस्कृतिक हस्तियों प्रमथेश चंद्र बरुवा, डॉ. भूपेन हजारिका और पद्मश्री प्रतिमा बरुवा पांडे से जुड़ी इस ऐतिहासिक धरोहर के पुराने स्थापत्य स्वरूप को बरकरार रखते हुए आधुनिक तकनीक

से पुनर्निर्माण करने का निर्णय सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा बरुवा पांडे की स्मृति में यहां एक संग्रहालय भी बनाया जाएगा और अगले एक वर्ष के भीतर हवाखाना को असम के प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक आकर्षण केंद्रों में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अमल नारायण पटवारी ने कहा कि धुबड़ी जिले के 108 वर्ष पुराने ऐतिहासिक तामरहाट सामुदायिक दुर्गा मंदिर के नवनिर्मित भवन को शारदीय दुर्गोत्सव से पहले श्रद्धालुओं को समर्पित कर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की आध्यात्मिक परंपरा और आस्था का सम्मान किया है। मधुपुर सत्र के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि असम सरकार बटद्रवा परियोजना की तर्ज पर कोचबिहार स्थित इस पवित्र सत्र को एक विशिष्ट आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। उनके अनुसार, असम सरकार ने इसके लिए पहले ही 35 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं, जबकि पश्चिम बंगाल सरकार ने 30 करोड़ रुपए का अनुदान देने पर सहमति जताई है। अमल नारायण पटवारी ने कहा कि दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच इस समन्वय से मधुपुर सत्र को पूर्वोत्तर और पूरे देश के प्रमुख आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों में विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार केवल बुनियादी ढांचे के विकास पर ही नहीं, बल्कि पूर्वजों की अमूल्य स्मृतियों और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित कर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत बनाए रखने पर भी लगातार काम कर रही है।

श्रीरामपुर में दो बोलेरो वाहनों से मवेशी बरामद, दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के श्रीरामपुर में पुलिस ने मवेशियों की कथित तस्करी के आरोप में दो बोलेरो वाहनों को जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों वाहनों में यात्रियों के बजाय सीटों के नीचे क्रूर तरीके से पैर बांधकर पांच-पांच मवेशियों को ले जाया जा रहा था। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि जब्त किए गए बोलेरो वाहनों के पंजीकरण नंबर एएस-17जे-3999 और एएस-16के-2464 बताए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में गोसाईगांव के सेरफांगुड़ी निवासी सफीजुल खान और जहीरुल शेख को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों वाहन बंगाल की ओर से कथित रूप से मवेशियों को अवैध तरीके से ले जा रहे थे। श्रीरामपुर में पुलिस की कार्रवाई के दौरान दोनों वाहनों को रोका गया, जिसके बाद उनमें मवेशी बरामद हुए। पुलिस ने वाहनों को जब्त कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई एवं जांच शुरू कर दी है।

ढेकियाजुली के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों तथा देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 20 सितंबर, 1942 को देश को ब्रिटिश शासन और अत्याचार से मुक्त कराने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उद्देश्य से ढेकियाजुली थाना परिसर की ओर मार्च कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों पर पुलिस ने बर्बर हमला करते हुए गोलीबारी की थी। इस घटना में 15 वीर शहीदों ने अपने प्राण गंवाए थे। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम की सबसे कम उम्र की महिला शहीदों में शामिल तिलेश्वरी बरुवा सहित सभी देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया और कहा कि उनके बलिदान के बिना देश की आजादी संभव नहीं थी। एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की

लहर असम तक भी पहुंची थी। उन्होंने कनकलता बरुवा, मुकुंद काकती, तिलेश्वरी बरुवा, भोगेश्वरी फुकननी और मनबर नाथ सहित अनेक वीर-वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने स्वतंत्रता आंदोलन में इन सेनानियों के अद्वितीय त्याग और देशभक्ति को स्मरण करते हुए सभी अमर शहीदों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

अल्पसंख्यक इलाकों में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के खिलाफ लगे *गो बैक* के नारे

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई को नगांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान कथित तौर पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर *गो बैक* के नारे भी लगाए जाने की खबर है। बरदुवा से शुरू हुए एक चुनावी जुलूस के दौरान लोगों के एक वर्ग ने गौरव गोगोई के खिलाफ *गो बैक* के नारे लगाए। वहीं, धिंग के धूपगुड़ी इलाके में कुछ अल्पसंख्यक मतदाताओं ने काले कपड़े दिखाकर विरोध जताया और आरोप लगाया कि गौरव गोगोई की क्षेत्र में कोई काम नहीं है। इसी बीच, लाहोरीघाट विधानसभा क्षेत्र के बालिडोंगा में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस विधायक आसिफ मोहम्मद नजर और नगांव लोकसभा उपचुनाव की कांग्रेस उम्मीदवार शिवामणि बोरा को भी कथित विरोध का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, शिवामणि बोरा की मौजूदगी में स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने *गो बैक* के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछले 70 वर्षों से कथित तौर पर डर और धमकी का माहौल बनाकर अल्पसंख्यक समुदाय से वोट हासिल किए हैं। नगांव लोकसभा उपचुनाव 6 अक्तूबर को होना है। चुनाव प्रचार तेज होने के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और विरोध प्रदर्शन का दौर भी जारी है।

जीएमसीएच में देर रात भीषण आग, 10 मरीज बाल-बाल बचे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में देर रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अस्पताल के मेडिकल आईटीयू-2 में एक मॉनिटर में विस्फोट होने के बाद आग लग गई। घटना के समय मेडिकल आईटीयू-2 में मौजूद 10 मरीज बाल-बाल बच गए। अस्पताल के कर्मचारियों और आपातकालीन दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। आग लगने के कारणों और घटना में हुए नुकसान का अभी विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है। मामले की जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

कोकराझाड़ : एसएसबी के 31वें बटालियन ने सीमावर्ती महिलाओं को दिया ब्यूटीशियन प्रशिक्षण

नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत 25 महिलाओं ने सीखा हुनर

कोकराझाड़ (विभास)। 31वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गोसाईंगांव के तत्वावधान में आयोजित ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार (19 सितंबर) को समापन समारोह आयोजित किया गया। द्वितीय कमान अधिकारी जीत सिंह के निर्देशन और नागरिक कल्याण कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत यह प्रशिक्षण *संस्कार वेलफेयर अकादमी* के सहयोग से संचालित किया गया था। गत 27 अगस्त से शुरू हुए इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में भारत-भूटान सीमावर्ती जीवंत (वाइब्रेंट) गांवों की 25 महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ब्यूटीशियन से संबंधित विभिन्न आधुनिक तकनीकों, सौंदर्य प्रसाधन और व्यावहारिक कौशल का गहन प्रशिक्षण दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सीमांत क्षेत्र की महिलाओं को हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। समापन अवसर पर सभी 25 प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। समारोह

में एसएसबी की *संदीक्षा* (एसएसबी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन) की सदस्याएं एवं वाहिनी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए द्वितीय कमान अधिकारी जीत सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और कहा कि ऐसे कौशल विकास कार्यक्रम सीमांत क्षेत्रों की महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होते हैं। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे सीखे गए कौशल का उपयोग कर खुद का व्यवसाय शुरू करें और अपने परिवार की आजीविका में योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल व सफल भविष्य की कामना की।

पत्रकार पायल मेहता के निधन पर असम के मुख्यमंत्री ने जताया शोक

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मुंबई में पत्रकार पायल मेहता के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। वह 47 वर्ष की थीं। पायल मेहता टीवी चैनल से जुड़ी थीं और अपने सहकर्मियों तथा मीडिया जगत में अपनी सौम्यता, पेशेवर प्रतिबद्धता और कार्य के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं। मीडिया एवं जनसंपर्क जगत में उनके सभी के साथ मधुर संबंध थे और वह सरकारी कार्यक्रमों एवं विभिन्न आयोजनों की कवरेज में सक्रिय रूप से शामिल रहती थीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में मेहता के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने उन्हें *जीवन से भरपूर* व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि वह अपने हर कार्य में एक विशेष ऊर्जा लेकर आती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहता अपने पेशे के प्रति पूरी तरह समर्पित थीं, लेकिन लोगों के साथ अपने रिश्तों को भी वह बेहद महत्व देती थीं।

बिलासीपाड़ा में महिला की हत्या से सनसनी पति हिरासत में

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना बिलासीपारा के काजाइकाटा छठे खंड गांव में हुई, जहां सड़क किनारे बिती रात एक महिला का शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान हसीना खातून के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने महिला की हत्या कर उसके शव को सड़क पर फेंक दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटना के संबंध में मृतका के पति जमर अली को हिरासत में लिया है। हत्या के कारणों और घटना में शामिल व्यक्ति या व्यक्तियों का पता लगाने के लिए पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। मृतका के शव को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए भेजे जाने की जानकारी है।

धुबड़ी : तामारहाट के नव निर्मित सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा मंदिर का सीएम ने किया उद्घाटन

धुबड़ी (विभास)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने धुबड़ी जिले के तामारहाट के नई निर्मित सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा मंदिर का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिए गए भाषण में मुख्यमंत्री ने कहा कि तामारहाट में स्थित यह दुर्गा मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक शक्ति केंद्र, विरासत और अध्यात्मिकता का प्रतीक है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक बहुत कठिन दौर वर्ष 1919 के जालियांवाला बाग हत्याकांड के बाद तामारहाट के इस ऐतिहासिक स्थान पर दीक्षा लेने वाले ब्रिटिश शासन के पहले बैरिस्टर महादूत से शुरू हुई। इस पूजा का बाद में स्थानीय जमींदार बृजेंद्रकांत गुहा ने अपने शुरुआती दिनों में एक फूस के मंदिर के रूप में उल्लेख किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैचारीक दृष्टिकोण से यह दुर्गा मंदिर सामाजिक समन्वय और संस्कृति का एक

बड़ा उदाहरण माना जाता है। इस क्षेत्र के सभी जाति-जनजाति ने इस पूजा स्थल में भाग लिया था और ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट हुए थे। यह दुर्गा मंदिर आज भी शक्ति और अध्यामिकता के प्रतीक के रूप में भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करती आ रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तामारहाट कि यह पूजा आसानी से दर्शन करने के लिए उपासकशेड सुधर्मा नामघर नृत्य नाटक आदि का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि तामारहाट का प्राचीन दुर्गा मंदिर आने वाले दिनों में इस पूरे क्षेत्र की समृद्धि के प्रतीक के रूप में आध्यामिकता की राह दिखाएगा और नई पीढ़ी को अपनी प्राचीन परंपराओं से जोड़े रखने की उम्मीद जगाएगा।

एनटीपीसी बंगाईगांव ने जूबिन गर्ग को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कोकराझाड़ (हिंस)। असम के लोकप्रिय संगीत कलाकार जूबिन गर्ग की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर एनटीपीसी बंगाईगांव में शनिवार देर शाम भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कर्मचारी कल्याण संघ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के तहत नाहर के पौधरोपण के साथ जूबिन गर्ग को याद किया गया। प्रशासनिक भवन के समीप आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम का नेतृत्व एनटीपीसी बंगाईगांव के परियोजना प्रमुख अर्णब मैत्र ने किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रमुख अमित कुमार अस्थाना, विभिन्न विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा कर्मचारी कल्याण संघ के सदस्य उपस्थित रहे। जूबिन गर्ग की स्मृति में नाहर के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान जूबिन गर्ग के गीतों ने पूरे माहौल को भावुक बना दिया।

कोकराझाड़ : नाका चेकिंग के दौरान 41.57 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, वाहन और मोबाइल जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। असम की कोकराझाड़ पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीती रात बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने इलाके में चलाए गए विशेष नाका चेकिंग अभियान के दौरान दो संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 41.57 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम ने बीती रात राजापारा पार्ट-टू तथा फ्लाईओवर के समीप खारगांव इलाके में सघन नाका चेकिंग अभियान शुरू किया था। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से 41.57 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मौके से नशीले पदार्थों की खेप के अलावा तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक वाहन और एक

मोबाइल फोन को भी जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे सौंपा जाना था। मादक पदार्थों के इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की पूछताछ जारी है।

श्री मारवाड़ी पंचायती होजाई की नई कार्यकारिणी गठित

दीनदयाल पंसारी अध्यक्ष व मनोज शर्मा बनें सचिव

होजाई (निसं)। श्री मारवाड़ी पंचायती होजाई की दो वर्ष (2026-28) हेतु नई कार्यकारिणी का गठन साधारण सभा में रविवार को किया गया। निरंजन सरावगी की अध्यक्षता में आयोजित सभा में आपसी विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से अध्यक्ष दीनदयाल पंसारी, सचिव मनोज शर्मा का दायित्व सौपा गया तत्पश्चाप एक सशक्त कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें उपाध्यक्ष मोहन मोर, संयुक्त सचिव प्रताप क्याल व कैलाश मोर,कोषाध्यक्ष पवन पंसारी, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष महेश चनानी, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष अभी मोर, निवर्तमान को उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी, निवर्तमान सचिव रमेश मुंदड़ा, निवर्तमान कोषाध्यक्ष मनीष बेरीवाल, ललित बोरा, विक्रम शर्मा, अनिल भीमसरिया, प्रवीण सरावगी, दीपक चनानी को स्थान दिया गया है। उल्लेखयोग्य है सभा के प्रारंभ में, पूर्व अध्यक्ष लावण्या अग्रवाला की अध्यक्षता में साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कोषाध्यक्ष मनीष बेरीवाल ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनि मत से स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर कर नई कार्यकारिणी का गठन हुआ।

विश्वनाथ के सहयोग से *साहित्यकार सम्मान समारोह - 2026* का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट, हरियाणा के तत्वावधान और विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सहयोग से कल विश्वनाथ चारिआल पौरसभा के सभागृह में *सारस्वत सम्मान समारोह* का आयोजित किया जाएगा। जिसमें हिंदी के महान साहित्यकार *मोहन राकेश सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के वरिष्ठ साहित्यकार, सेवानिवृत्त हिंदी अध्यापक तथा प्रचारक शंकर प्रसाद साहू, *बाल मुकुंद गुप्त सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के वरिष्ठ साहित्यकार सेवानिवृत्त हिंदी अध्यापक हरि लुइटेल (उपाध्याय) *डॉ. रामनिवास गुप्त सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के साहित्यकार, हिंदी शिक्षक तथा कवि चित्र प्रसाद पौड़ेल, *सुभद्रा कुमारी चौहान सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के हिंदी शिक्षिका, कवयित्री तथा प्रचारिका ऊषा साहू, *महादेवी वर्मा सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के कवयित्री, लघुकथाकार, हिंदी शिक्षिका और प्रचारिका मनीषा पॉल *मनस्वी*, *मन्नू भंडारी सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के कवयित्री, बाल साहित्यकार, हिंदी शिक्षिका और

विश्वनाथ के आठ साहित्यकार होंगे पुरस्कृत

प्रचारिका सैयदा आनोवारा खातुन, *भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के हिंदी सेवी,टं पत्रकार, कवि, हिंदी शिक्षक तथा प्रचारक संतोष कुमार महतो और *मैथिली शरण गुप्त सम्मान* से अलंकृत विश्वनाथ के कवि, लेखक तथा हिंदी शिक्षक, सुजीत कुमार शर्मा होंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट के महासचिव प्रो. (डॉ.) विपिन गुप्ता, अतिथि के रूप में राजीव गांधी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, तेजपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ. अनुशब्द, विश्वनाथ चारिआलि पौरसभा के पौरपति अमरज्योति बरठाकुर, अतिथि, समिति के सलाहकार,अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, सचिव संतोष कुमार महतो,कार्यकरी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे, उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता,कोषाध्यक्ष छेदीलाल कुर्मी, सदस्य -सदस्या, विद्यार्थी, साहित्यकार, प्रचारक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।उक्त सम्मान साहित्यकार को अपनी लेखनी, साधना और दूरदर्शिता के माध्यम से हिंदी भाषा को समृद्ध करने के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत की भाषाओं के साहित्य को भी राष्ट्रीय पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने और पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक धरोहर, लोक-जीवन और भाषाई सौंदर्य को मुख्यधारा के साथ जोड़ने का आपका भागीरथ प्रयास राष्ट्र की भाषाई एकता को मजबूत सेतु साबित करने हेतु प्रदान किया जा रहा है।

संपादकीय

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू, इसलिए करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161.69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है। देश में करीब 55 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। निर्विवाद रूप से आज के दौर में साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने, इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार के लिए, लगातार नये निवेश करने की जरूरत होती है। ऐसे में दो हजार से अधिक मूल्य के व्यापारिक लेन-देन पर सीमित मात्रा में एमडीआर मॉडल बैंकों और भुगतान प्रदाताओं के लिए एक स्थायी राजस्व का तंत्र विकसित कर सकता है। वैसे हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार एमडीआर सिर्फ व्यापारियों पर ही लागू कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने पर व्यवसायी एमडीआर का कुछ हिस्से का बोझ मूल्य बढ़ोतरी के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल देंगे। ऐसे में यूपीआई और सेवा नियामक कमेटी को स्पष्टता और पारदर्शिता के आधार पर फैसला लेना चाहिए। एमडीआर की राशि का निर्धारण कुछ इस तरह किया जाना चाहिए, जिससे छोटे व्यवसायियों पर अधिक दबाव न पड़े। लोगों का आपसी लेन-देन मुफ्त ही बना रहे और साथ ही दो हजार रुपये की सीमा में बदलाव न किया जाए। आज देश में यूपीआई व्यवस्था त्वरित, सस्ती और सार्वभौमिक भुगतान सुविधा के चलते अर्थव्यवस्था की एक बड़ी ताकत बन गयी है। ऐसे में सरकार को ऐसा मॉडल तैयार करना चाहिए, जो डिजिटल पेमेंट को जनसाधारण के लिए सहज व सुलभ रखे। साथ ही उस ढांचे को आर्थिक संबल दे जिस पर यह निर्भर है।

भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।

प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कठिन होता है तथा इनके नालियों, नदियों और समुद्रों तक पहुंचने की संभावना रहती है

कचरे के ढेर पर बढ़ते शहर

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण आर्थिक विकास, रोजगार और बेहतर जीवन-स्तर के अवसर तो पैदा कर रहा है, लेकिन इसके साथ उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। अनियोजित शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, उपभोक्तावाद और एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के बढ़ते इस्तेमाल ने शहरों में कचरे की मात्रा और विविधता दोनों को बढ़ा दिया है। अनेक शहरों में कचरे का संग्रहण, परिवहन और निस्तारण अभी भी मुख्यतः 'कलेक्ट-ट्रांसपोर्ट-डंप' मॉडल पर आधारित है। इसका परिणाम खुले में कचरा फेंकने, जलाने, जल स्रोतों के प्रदूषण, दुर्गंध, वायु प्रदूषण और लैंडफिल के बढ़ते दबाव के रूप में सामने आता है। इसलिए, भारत के सामने चुनौती केवल कचरा हटाने की नहीं, बल्कि उसे संसाधन में बदलने की है। भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है। जैविक कचरे की बड़ी मात्रा भारत के लिए चुनौती के साथ अवसर भी है, क्योंकि इससे खाद और बायोगैस का उत्पादन किया जा सकता है। प्लास्टिक अपशिष्ट दूसरी बड़ी समस्या है। विशेषकर मल्टी-लेयर पैकेजिंग और एकल-उपयोग प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कठिन होता है तथा इनके नालियों, नदियों और समुद्रों तक पहुंचने की संभावना रहती है। निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाला मलबा भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें कंक्रीट, ईंट, पत्थर, टाइल, लकड़ी और धातु शामिल हैं। इसका वैज्ञानिक पुनर्चक्रण कर सड़क निर्माण तथा नए निर्माण में उपयोग किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जैव-चिकित्सीय कचरा, ई-कचरा और खतरनाक औद्योगिक कचरा विशेष सावधानी की मांग करते हैं। अस्पतालों से निकलने वाले संक्रमित पदार्थ, सुइयां, दूषित प्लास्टिक और औषधीय अवशेष यदि सामान्य कचरे के साथ मिल जाएं तो स्वास्थ्यकर्मियों, कचरा बीनने वालों और आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसी प्रकार कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे में मूल्यवान धातुओं के साथ सीसा, पारा और अन्य हानिकारक पदार्थ भी हो सकते हैं। रसायन, सॉल्वेंट, पेंट और औद्योगिक अवशेष जैसे खतरनाक अपशिष्ट को सामान्य नगरपालिका कचरे से अलग रखना आवश्यक है। इस संकट से निपटने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपाय स्रोत पर कचरे का पृथक्करण है। गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग-अलग रखने से आगे की पूरी प्रबंधन प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। जीपीएस आधारित कचरा वाहन, सेंसर युक्त स्मार्ट बिन, RFID तकनीक और डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली संग्रहण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और कुशल बना सकती हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि तकनीक नागरिक अनुशासन का विकल्प नहीं है। यदि घर और संस्थान स्तर पर कचरा अलग नहीं किया जाएगा तो अत्याधुनिक प्रसंस्करण संयंत्र भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे। जैविक कचरे के लिए कम्पोस्टिंग और बायोमिथेनेशन महत्वपूर्ण समाधान हैं। कम्पोस्टिंग के माध्यम से जैविक कचरे को उपयोगी जैविक खाद में बदला जा सकता है, जबकि एनारोबिक डाइजेशन से बायोगैस और जैविक अवशेष प्राप्त होते हैं। इससे लैंडफिल पर दबाव कम होने के साथ ऊर्जा और कृषि के लिए उपयोगी संसाधन प्राप्त होते हैं। बड़े शहरों में विकेंद्रीकृत कम्पोस्टिंग तथा बायोगैस संयंत्र परिवहन लागत और कचरे के अनावश्यक स्थानांतरण को भी कम कर सकते हैं। सूखे कचरे के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी अत्यंत उपयोगी हैं। इनमें कन्वेयर बेल्ट, चुंबकीय पृथक्करण, एयर क्लासिफायर, ऑप्टिकल सॉर्टिंग और आधुनिक सेंसर तकनीक के माध्यम से कागज, धातु और विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक को अलग किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विजन आधारित प्रणालियां भविष्य में स्वचालित छंटाई को और अधिक प्रभावी बना सकती हैं। हालांकि, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री में गीले कचरे के मिश्रण से उसकी गुणवत्ता और आर्थिक उपयोगिता कम हो जाती है। इसलिए, स्रोत पर पृथक्करण इस पूरी तकनीकी श्रृंखला की बुनियादी शर्त है। प्लास्टिक कचरे के लिए यांत्रिक पुनर्चक्रण अपेक्षाकृत साफ और समान प्रकार के प्लास्टिक में प्रभावी है। कठिन प्लास्टिक के लिए कुछ रासायनिक पुनर्चक्रण तथा पायरोलिसिस तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। इनसे ईंधन अथवा रासायनिक कच्चा माल प्राप्त करने की संभावना रहती है, लेकिन इनकी ऊर्जा आवश्यकता, लागत और पर्यावरणीय प्रभाव का जीवन-चक्र मूल्यांकन आवश्यक है। केवल तकनीकी रूप से संभव होना किसी समाधान को स्वतः टिकाऊ नहीं बनाता। कचरे से ऊर्जा उत्पादन भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। नियंत्रित दहन और रिफ्यूज-डिराइव्ड फ्यूल तकनीक के माध्यम से ऐसे अवशिष्ट कचरे से ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जिसे पुनर्चक्रित या जैविक रूप से संसाधित नहीं किया जा सकता। आधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण प्रणालियां प्रदूषकों को नियंत्रित करने में सहायता करती हैं। लेकिन भारत के मिश्रित और अधिक नमी वाले नगरपालिका कचरे की ऊष्मीय क्षमता कई बार कम होती है। इसलिए बिना पृथक्करण के पूरे मिश्रित कचरे को जलाना उचित रणनीति नहीं माना जा सकता। ऊर्जा उत्पादन को पुनर्चक्रण और जैविक प्रसंस्करण का विकल्प नहीं, बल्कि उनके बाद बचने वाले अवशिष्ट कचरे के प्रबंधन का साधन माना जाना चाहिए। अंततः वैज्ञानिक लैंडफिल की आवश्यकता बनी रहती है, क्योंकि हर प्रकार के कचरे का पुनर्चक्रण संभव नहीं है। इंजीनियर्ड लैंडफिल में लाइनर, लीचेट संग्रहण, गैस कैप्चर और भूजल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं प्रदूषण को सीमित करती हैं। भारत में पुराने कचरा स्थलों के लिए बायोमाइनिंग और बायोरिमेडिएशन भी उपयोगी तकनीकें हैं, जिनके माध्यम से पुराने कचरे से पुनर्चक्रण योग्य सामग्री निकाली जा सकती है और भूमि को पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। भारत को अब रैखिक 'उत्पादन-उपयोग-फेंकने' वाली अर्थव्यवस्था से चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना होगा। 'कम उपयोग, पुनः उपयोग, मरम्मत, पुनर्चक्रण और संसाधन पुनर्प्राप्ति' को शहरी नीति का आधार बनाना होगा। उत्पादक उत्तरदायित्व, कचरा उत्पादकों पर उचित शुल्क, कचरा बीनने वालों का औपचारिक तंत्र में समावेशन, बल्क वेस्ट जनरेटर की जवाबदेही और स्थानीय निकायों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

अनियोजित शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, उपभोक्तावाद और एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के बढ़ते इस्तेमाल ने शहरों में कचरे की मात्रा और विविधता दोनों को बढ़ा दिया है। अनेक शहरों में कचरे का संग्रहण, परिवहन और निस्तारण अभी भी मुख्यतः 'कलेक्ट-ट्रांसपोर्ट-डंप' मॉडल पर आधारित है। इसका परिणाम खुले में कचरा फेंकने, जलाने, जल स्रोतों के प्रदूषण, दुर्गंध, वायु प्रदूषण और लैंडफिल के बढ़ते दबाव के रूप में सामने आता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल कचरा हटाने की नहीं, बल्कि उसे संसाधन में बदलने की है। भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है।

देश | दुनीया से

इंसानी नादानी से उपजी चुनौती और हमारा दायित्व

पृथ्वी के समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाले हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण का बड़ा हिस्सा सोखकर मनुष्य, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षा प्रदान करती है। यह पृथ्वी का एक ऐसा अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसकी मौजूदगी का अहसास हमें सामान्य दिनों में नहीं होता, लेकिन इसके कमजोर पड़ने का असर पूरी जैविक दुनिया के अस्तित्व पर पड़ सकता है। आसमान की ओर देखने पर नीला विस्तार दिखाई देता है, लेकिन उस नीले आकाश के ऊपर मौजूद यह ढाल जीवन की कल्पना को संभव बनाती है। इसीलिए 16 सितंबर केवल पर्यावरण से जुड़ी एक औपचारिक तारीख नहीं है। यह उस अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और राजनीतिक प्रयास की याद दिलाता है, जिसने दुनिया को यह सिखाया कि यदि विज्ञान समय रहते खतरे की पहचान करे और सभी देश मिलकर कार्रवाई करें, तो वैश्विक पर्यावरणीय संकट को पलटा भी जा सकता है। वर्ष 1987 में मॉनट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया और उसके बाद ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम 'ग्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट' यानी ठंडी और अधिक टिकाऊ पृथ्वी के लिए वैश्विक कार्रवाई रखी गई है। यह थीम मॉनट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के दस वर्ष पूरे होने से भी जुड़ी है, जिसने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन यानी एचसीएफसी और एचएफसी को चरणबद्ध रूप से कम करने और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन व्यवस्था की दिशा में दुनिया को आगे बढ़ाया है। यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतर समझना जरूरी है कि हर ओजोन परत समान नहीं होती। समतापमंडल का ओजोन हमारा रक्षक है, जबकि धरातल के पास बनने वाला ट्रोपोस्फेरिक ओजोन वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और मानव स्वास्थ्य तथा वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ती गर्मी, जंगलों की आग और वायुमंडलीय रसायन इन दोनों स्तरों की जटिलताओं को और अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं। मॉनट्रियल प्रोटोकॉल के कारण लगभग 99 प्रतिशत नियंत्रित ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध किया जा चुका है और वैज्ञानिक आकलन लंबे समय से ओजोन परत के पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति की पुष्टि करते रहे हैं। हालांकि, 'नेचर कम्यूनिकेशन' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग अपेक्षा से कहीं अधिक उत्सर्जन पैदा कर सकता है। यदि ये उत्सर्जन वर्तमान स्तरों पर जारी रहे, तो मध्य-अक्षांशों में ओजोन परत की रिकवरी लगभग 7 वर्ष तक पीछे खिसक सकती है। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने पूर्वी एशिया में हैलॉन-2402 नामक शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी पदार्थ के उत्सर्जन में फिर से बढ़ोतरी के प्रमाण पाए हैं। अध्ययन के अनुसार 2008 से 2023 के बीच पूर्वी एशिया से इसके उत्सर्जन का संचयी अनुमान लगभग 52 गीगाग्राम सीएफसी-11 इक्विवेलेंट रहा और 2015 के बाद इस क्षेत्र के उत्सर्जन ने वैश्विक प्रवृत्ति को प्रभावित किया है। अगस्त 2026 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि वैज्ञानिकों ने उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर लगभग 21 से 23 किलोमीटर की ऊंचाई पर असामान्य रूप से अधिक ओजोन की एक मोटी परत देखी। यह संरचना पूर्वी भारत के लिए सामान्य मात्रा से काफी अधिक थी और एक दिन से ज्यादा समय तक बनी रही। भारतीय वैज्ञानिकों ने देशभर के वायुमंडलीय रडार, मौसम गुब्बारों, उपग्रहों और वायुमंडलीय मॉडलों को एक साथ इस्तेमाल किया। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के स्वदेशी रडार सहित कई केंद्रों से मिले आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद की कि वायुमंडल में ओजोन का परिवहन किस तरह होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस घटना के पीछे ओजोन-समृद्ध वायु का परिवहन, उसके बाद नीचे की ओर वायुमंडलीय गति और वायु-द्रव्यमान का संपीड़न प्रमुख कारण थे। यह उदाहरण बताता है कि ओजोन परत कोई स्थिर, समान मोटाई वाली चादर नहीं है। वायुमंडलीय परिसंचरण, हवाएं, तापमान और रासायनिक प्रक्रियाएं लगातार इसकी संरचना और वितरण को प्रभावित करती हैं। भारत और नेपाल का पर्यावरणीय भविष्य अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। नेपाल में ऊंचाई के कारण पराबैंगनी विकिरण का सवाल विशेष महत्व रखता है। नेपाल के भैरहवा, पोखरा और लुम्ले में किए गए एक अध्ययन में यूवी इंडेक्स में उल्लेखनीय मौसमी और स्थानिक अंतर दर्ज किए गए। विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले लुम्ले और पोखरा में कुछ अवधियों के दौरान यूवी इंडेक्स काफी ऊंचा पाया गया। इसका मतलब यह नहीं कि नेपाल या हिमालय में ओजोन परत खत्म हो रही है, बल्कि संदेश यह है कि ऊंचाई, सूर्य की स्थिति, बादल, वायुमंडलीय संरचना और ओजोन की मात्रा मिलकर सतह तक पहुंचने वाले यूवी विकिरण को प्रभावित करते हैं। इसलिए हिमालयी देशों को स्थानीय यूवी निगरानी, मौसम विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारत और नेपाल के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तेजी से बदलती परिस्थितियां पैदा कर रहा है। दक्षिण एशिया में गर्मी लगातार बढ़ रही है।

कुछ | अलग

आत्मा की सत्ता का बोध

आदि गुरु शंकराचार्य से शास्त्रार्थ में पराजित एक धर्मगुरु के शिष्यों ने हताश होकर एक कापालिक को शंकराचार्य की हत्या के लिए भेजा। जैसे ही कापालिक ने शंकराचार्य के सामने पहुंचकर तलवार निकाली, उन्होंने कहा, 'कापालिक, तुम्हारे शरीर और मेरे शरीर में आत्मा रूपी एक ही सत्ता है। तुम किसकी हत्या करना चाहते हो?' कापालिक स्वयं धर्म शास्त्रों का पंडित था। शंकराचार्य के शब्दों ने उसकी आत्मा को झकझोर डाला। उसने तलवार जमीन पर फेंक दी तथा शंकराचार्य के चरणों में गिरकर बोला, 'महात्मन! वास्तव में मैं एक सत्ता का अस्तित्व भूलकर किसी के बरगलाने पर यह अक्षम्य अपराध करने को उद्यत हो गया था। आपके शब्दों ने मुझे 'अपने' से परिचित कराया है।' कापालिक शंकराचार्य का शिष्य बन गया और जीवनपर्यंत उनके विचारों के प्रचार के लिए समर्पित हो गया।

आप का | नजरीया

भारत ने दिखाया आईना

दिखाया आईना पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले विकसित देशों की हकीकत बताते हुए इस बात की आलोचना की कि विकसित देशों के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा भारत के प्रति व्यक्ति से 6 गुना ज्यादा है किन्तु हैरानी की बात तो यह है कि विकसित प्रायः कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाल देते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत इस सच्चाई को दुनिया के हर मंच पर बिना किसी भय एवं संकोच के दोहराता है। दरअसल प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा नवीनीकरण ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित किए जाने का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है और वह जी-20 का एक मात्र ऐसा देश है जिसने पेरिस में आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-21) में जताईं गईं अपनी प्रतिबद्धताओं को तय समय से काफी पहले पूरा कर लिया है। सच तो यह कि दुनिया यह बात बहुत अच्छे तरीके से जानती है कि भारत गैर जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता, कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर बड़ी ही कुशलता एवं सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। यह सही है कि भारत की पवन ऊर्जा क्षमता और जल विद्युत क्षमता तो बढ़ी ही है साथ ही देश परमाणु ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा बिल्कुल सही है कि विकसित देश सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं और जब क्षतिपूर्ति की बात आती है तो बड़ी सफाई से मुकर जाते हैं। इसीलिए विकसित देशों की नीयत से पृथ्वी को गंभीर खतरा हो गया है। विकासशील देशों की आवाज दबाने के लिए विकसित देशों के पास बहुत सारे हथकंडे हैं किन्तु विकसित देशों के खिलाफ आवाज उठाने वाले देशों की एकजुटता का अभाव है और यदि किसी एक-दो देशों ने आवाज उठाई भी तो विकसित देश बड़ी बेशर्मी से उसे अनसुना कर देते हैं। असल में भारत जैसे जिन देशों ने परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिए प्रयास किए हैं, उनके लिए भी मुश्किलें पैदा की जाती हैं। भारत को यूरेनियम हासिल करने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं। विकसित देशों को खासकर अमेरिका दोहरी नीति के कारण शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए भी यूरेनियम हासिल कर पाना हमारे देश के लिए मुश्किल हो जाता है। बहरहाल भारत पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हर तरह के तरीके अपना रहा है किन्तु मुश्किल यह है कि अमेरिका जैसा देश जो पहले भी दादागिरी करता था अब उसका राष्ट्रपति कुछ सुनने को तैयार ही नहीं। मतलब करेला नीम पर चढ़ गया है। ऐसे में भारत को किसी से कोई उम्मीद किए बिना ईमानदारी से पर्यावरण संरक्षण पर तेजी से काम करना होगा। भारत की जिम्मेदारी जलवायु परिवर्तन में सुधार की स्थिति को लेकर बहुत बड़ी है किन्तु यदि स्वार्थ में अंधे विकसित देशों ने अपनी नीति में व्यापक सुधार नहीं किया तो इसका दुष्परिणाम अकेले विकासशील देश ही नहीं भुगतेंगे बल्कि विकसित देश भी तृप्त पृथ्वी की आंच से झुलसे बिना नहीं रहेंगे। इसीलिए भारत को चाहिए कि वह ईमानदारी से जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में प्रयत्न भी करे और विकसित देशों को चेतावनी दे तथा उन्हें आईना भी दिखाता रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले विकसित देशों की हकीकत बताते हुए इस बात की आलोचना की कि विकसित देशों के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा भारत के प्रति व्यक्ति से 6 गुना ज्यादा है किन्तु हैरानी की बात तो यह है कि विकसित प्राय: कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाल देते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत इस सच्चाई को दुनिया के हर मंच पर बिना किसी भय एवं संकोच के दोहराता है। दरअसल प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा नवीनीकरण ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित किए जाने का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है और वह जी-20 का एक मात्र ऐसा देश है जिसने पेरिस में आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-21) में जताईं गईं अपनी प्रतिबद्धताओं को तय समय से काफी पहले पूरा कर लिया है। सच तो यह कि दुनिया यह बात बहुत अच्छे तरीके से जानती है कि भारत गैर जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता, कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर बड़ी ही कुशलता एवं सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। यह सही है कि भारत की पवन ऊर्जा क्षमता और जल विद्युत क्षमता तो बढ़ी ही है साथ ही देश परमाणु ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा बिल्वुल सही है कि विकसित देश सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं और जब क्षतिपूर्ति की बात आती है तो बड़ी सफाई से मुकर जाते हैं।

दृष्टि | कोण

नशा कारोबार की बड़ी मछलियों पर कसें शिकंजा

फुकेत दिल्ली फ़्लाइट के पायलट द्वारा कैनबिस (गांजा) इस्तेमाल करने की शुरुआती जांच रिपोर्ट ने भारत में भांग (चरस) के इस्तेमाल और तस्करी पर फिर से ध्यान खींचा है। एक व्यावसायिक पायलट द्वारा ऐसा उपयोग दर्शाता है कि चरस की पहुंच सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण पेशे तक भी हो चुकी है। हाल ही में हुई ज़ब्ती की घटनाओं ने इस चुनौती को और उजागर किया है। खबरों के मुताबिक, तमिलनाडु की तांबरम सिटी पुलिस ने 135 किलोग्राम से ज़्यादा गांजा ज़ब्त किया, जिसे ओडिशा से भेजा गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओडिशा की सोनपुर और कंधमाल जिला पुलिस ने भी ट्रकों से लगभग 23,000 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया है। असम और त्रिपुरा से भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की खबरें आईं। मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की गयी। मुंबई के बोरीवली में हाइड्रोपोनिक तरीके से कैनबिस उगाने का पता चला। हम देखते हैं कि भारत के विभिन्न हिस्सों में विविध प्रकार के चरस उत्पादों की भारी ज़ब्ती हो रही है, और तस्कर इन्हें लाने-ले जाने और वितरण के अलग-अलग ढंग अपना रहे हैं। भारत हर साल टनों के हिसाब से गांजा ज़ब्त करता है और हजारों उपयोगकर्ताओं पर कार्रवाई की जाती है। तथापि, आंकड़े बताते हैं कि हम गलत लड़ाई लड़ रहे हैं-एक बड़ी चुनौती, जो वैश्विक व्यापारिक हितों से प्रेरित है, आने वाली है। अब इस पर ध्यान देने का सही समय है। 'विश्व मादक द्रव्य रिपोर्ट-2026' (जिसे सयुंक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मादक द्रव्य एवं अपराध विभाग प्रकाशित करता है) कुछ हफ्ते पहले ही प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट की मुख्य बातें है। सर्वप्रथम, आज भी दुनिया में सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाला नशीला पदार्थ गांजा है। साल 2024 में 25.6 करोड़ लोग गांजे का उपयोग करते बताए गए हैं, जो किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करने वालों से ज़्यादा है; यह संख्या 15 से 64 साल की उम्र के लोगों की वैश्विक आबादी का 4.8 प्रतिशत बनती है। पिछले दशक में गांजे का सेवन करने वालों की संख्या 40 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ी। दूसरा, 'गांजे की खेती दुनिया के लगभग हर देश में होती है'। ज़्यादातर तस्करी क्षेत्रीय स्तर पर होती है। लेकिन अंतर-क्षेत्रीय तस्करी बढ़ रही है। उत्तरी अमेरिका ऐसी तस्करी का बढ़ता हुआ स्रोत है। तीसरा, ज़्यादा असरकारी गांजा उत्पादों की बड़ी रेंज बाज़ार में आ रही है। चौथा, दिसंबर 2025 तक, उरुग्वे, कनाडा और अमेरिका के 28 इलाकों में गैर-मेडिकल कामों के लिए भांग की खेती, उत्पादन, बिक्री और उसे अपने पास रखने की इजाज़त दे दी गई है। चेक गणराज्य, जर्मनी, लक्ज़मबर्ग और माल्टा ने भी कुछ ऐसा ही किया। 'हालांकि, हालिया वर्षों में, नशीले पदार्थों के गैर-मेडिकल इस्तेमाल को नुकसानदेह माना जाने लगा है, जो उत्तरी अमेरिका में लोगों की बदलती सोच में झलकता है'। अंततः भांग तस्करी और इस्तेमाल वैश्विक चुनौती बना हुआ है। भारत के नशा नियंत्रण ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक : पहली बात, 2025 में 1.38 लाख एकड़ में भांग के पौधों को नष्ट किया गया, जो पिछले पांच सालों में सर्वाधिक है। दूसरी बात, गांजे से जुड़े 71,612 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले 5 सालों में सबसे ज़्यादा हैं। 628 हजार किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया, जो 2024 से तो ज़्यादा था लेकिन 2021 और 2022 से कम था। तीसरी बात, 2021-25 के दौरान हशीश के मामलों की क्षेत्रवार संख्या 2,416 से 3,255 के बीच रही। हालांकि, पिछले पांच सालों में हशीश की ज़ब्ती में काफी उतार-चढ़ाव हुआ, इस उतार-चढ़ाव पर नशा नियंत्रण ब्यूरो टिप्पणी यकीन से नहीं कर रहा–'शिनाख्त कम हुई या तस्करी के ढंग में संभावित बदलाव आया'। चौथी बात, हाइड्रोपोनिक गांजे (ज़्यादा असरदार, पोषक तत्वों से भरपूर) की तस्करी से बढ़ी है, खासकर महानगरों में। मामलों और ज़ब्त की गई मात्रा, दोनों बढ़ी हैं; 2025 में 862 किलोग्राम ज़ब्त किया गया और 687 केस दर्ज किए गए, जो बीते चार साल (2021- 24) की कुल ज़ब्ती और मामलों से भी ज़्यादा है। यानी भांग की ज़ब्ती और नष्ट करने की कार्रवाई पहले के मुकाबले अधिक बनी हुई है।

आसमान में गूंजी भारत-जापान की दोस्ती

तेजस में साथ उड़े दोनों वायु सेना प्रमुख

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन से रविवार को भारत-जापान के मजबूत होते रक्षा संबंधों की एक यादगार तस्वीर सामने आई। भारत और जापान के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास *वीर गार्जियन-2026* के दौरान दोनों देशों के वायु सेना प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरकर आसमान में अपनी साझेदारी का नया अध्याय लिखा। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सोलो उड़ान भरते हुए तेजस विमानों के फॉर्मेशन का नेतृत्व किया। जापान एयर एंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोरिता ताकेहिरो ने ग्रुप कैप्टन आई सम्राट के साथ सह-पायलट के रूप में तेजस में उड़ान भरी। उड़ान से पहले दोनों वायु सेना प्रमुखों ने एक-दूसरे का अभिवादन किया और अपने-अपने विमानों की ओर बढ़े। उड़ान के दौरान जनरल मोरिता को भारतीय तेजस की आधुनिक प्रणालियों और परिचालन क्षमताओं का अनुभव मिला। दोनों विमानों ने एयरफील्ड के ऊपर फ्लाई-पास्ट किया और इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग से पहले विमानों ने फॉर्मेशन से अलग होकर अपनी-अपनी स्थिति संभाली। जनरल मोरिता ने तेजस में उड़ान के अनुभव को शानदार बताते हुए इसे भारत के तकनीकी नवाचार का प्रतीक बताया। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने संयुक्त अभ्यास को दोनों वायु सेनाओं के बीच विश्वास, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे से सीखने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। भारत और जापान के बीच *एक्स वीर गार्जियन* का दूसरा संस्करण जोधपुर में 9 सितंबर से चल रहा है और 22 सितंबर तक जारी रहेगा। अभ्यास में जापान के त्सुइकी एयरबेस से आए एफ-2 लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया है। भारतीय वायु सेना की ओर से सुखोई-30 एमकेआई, तेजस और राफेल जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान अभ्यास में शामिल हैं।

भाजपा ने पंचायत चुनाव की तैयारियों पर की संगठनात्मक बैठक

जयपुर (हिंस)। पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुड़े। बैठक में संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, डॉ. अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, वरिष्ठ नेता ओंकार सिंह लखावत, सीआर चौधरी सहित प्रदेश पदाधिकारी और सभी संभाग प्रभारी मौजूद रहे। बैठक के बाद मदन राठौड़ ने कहा कि हालिया निकाय चुनाव में जनता ने भाजपा को समर्थन दिया है और पंचायत चुनाव में भी पार्टी को बहुमत मिलने की उम्मीद है। मेयर चुनाव में कांग्रेस के क्रॉस वोटिंग के दावों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने संगठन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा

किया कि भाजपा बहुमत के साथ मेयर बनाएगी। भाजपा चुनाव प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने कहा कि हालिया चुनावों में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नीतियों के प्रति समर्थन जताया है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में पार्टी सभी 41 जिला परिषदों में बहुमत हासिल करने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने बताया कि टिकट वितरण के दौरान नाराज होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले कई कार्यकर्ता अब पार्टी में लौट चुके हैं। यूजीसी से जुड़े विषय पर द्विवेदी ने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और सुप्रीम कोर्ट के आगामी आदेश के अनुरूप आगे विचार किया जाएगा। चुनाव पर इसके प्रभाव के संबंध में उन्होंने कहा कि उनके पास कोई आंकड़ा नहीं है, लेकिन सभी वर्गों का भाजपा को समर्थन मिला है। वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में पहली बार 309 निकायों में एक साथ चुनाव हुए। पार्टी ने प्रदेश स्तर पर संकल्प पत्र जारी कर उसे प्रत्येक निकाय तक पहुंचाया। उन्होंने 30 से अधिक निकायों में भाजपा प्रत्याशियों के निर्विरोध निर्वाचन का उल्लेख किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव में घोषणा पत्र जारी नहीं किया और जिला स्तर पर प्रभावी संगठनात्मक बैठकें भी नहीं कीं। राजेंद्र राठौड़ ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव परिणाम का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। बैठक में पंचायत चुनावों की संगठनात्मक तैयारियों, रणनीति और आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। हालिया निकाय चुनाव में 309 शहरी निकायों के परिणामों में भाजपा सबसे अधिक वार्ड जीतने वाली पार्टी रही, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी भी बड़ी संख्या में निर्वाचित हुए।

सुनील कोठारी को मेयर प्रत्याशी बनाना दूरदर्शी निर्णय : राजू मंगोड़ीवाला

जयपुर (हिंस)। भाजपा की ओर से वरिष्ठ भाजपा नेता, ज्वैलर एवं समाजसेवी सुनील कोठारी को जयपुर नगर निगम के महापौर पद का प्रत्याशी बनाए जाने पर विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों में हर्ष का माहौल है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश संयोजक तथा कैट राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राजू मंगोड़ी वाले ने भाजपा के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे दूरदर्शी और जनभावनाओं के अनुरूप बताया। मंगोड़ी वाला ने कहा कि सुनील कोठारी लंबे समय से भाजपा की विचारधारा के प्रति समर्पित रहकर संगठन को मजबूती देने के साथ सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान देते रहे हैं। उनके अनुसार विनम्र व्यवहार, कर्मठ कार्यशैली, संगठनात्मक दक्षता और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़ाव उनकी प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारिक समुदाय की समस्याओं के समाधान, सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी और जनसेवा के प्रति निरंतर समर्पण सुनील कोठारी की पहचान रही है। नगर के विकास, स्वच्छता, यातायात, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर उनकी स्पष्ट सोच और कार्यक्षमता नगर निगम के लिए उपयोगी साबित होगी। मंगोड़ी वाले ने विश्वास जताया कि सुनील कोठारी के नेतृत्व में जयपुर नगर निगम विकास, पारदर्शिता और जनसहभागिता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कोठारी को महापौर पद का प्रत्याशी बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और भाजपा के प्रदेश नेतृत्व, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने वाला है और उनके अनुसार नगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

यौन उत्पीड़न के आरोपी एसजीपीसी सदस्य को सिख पंथ से निकाला, एडिशनल हेड ग्रंथी भी निष्कासित

चंडीगढ़ (हिंस)। सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज ने यौन उत्पीड़न के आरोपित शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य अमरजीत सिंह चावला तथा अकाल तख्त के एडिशनल हेड ग्रंथी मलकीत सिंह को भी अश्लील चैट करने के आरोप में सिख पंथ से निष्काषित कर दिया है। यह फैसला रविवार को अकाल तख्त साहिब पर पांच सिंह साहिबानों की बैठक में लिया गया, जिसे अकाल तख्त की फसील से जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने संगत को सुनाया। एसजीपीसी सदस्य और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह चावला के खिलाफ रेप, गलत तरीके से बंधक बनाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मामला सामने आने के बाद चावला ने अकाली दल के सभी पदों और एसजीपीसी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। आनंदपुर साहिब थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज किया था। रविवार को अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में पांच सिंह साहिबान की बैठक हुई। बैठक में कार्यकारी जत्थेदार और तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज शामिल हुए। उनके साथ दरबार साहिब के ग्रंथी ज्ञानी केवल सिंह, तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी टेक सिंह, श्री अकाल तख्त साहिब के ग्रंथी ज्ञानी गुरबख्शीश सिंह और पांच प्यारे भाई मंगल सिंह मौजूद रहे। बैठक में श्री आनंदपुर साहिब से एसजीपीसी के सदस्य अमरजीत सिंह चावला के खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों पर विचार किया गया। इसके बाद अकाल तख्त की फसील (प्राचीर) से फैसला सुनाया गया। इसमें कहा गया कि अमरजीत सिंह पर बज्र कुरहित (महापाप) करने के गंभीर आरोप लगे हैं। सिख रहित मर्यादा के अनुसार चार बज्र कुरहितों में से किसी एक को करने वाला व्यक्ति सिखी से खारिज माना जाता है।

पूर्वांचल राज्य बना तो राजभर समाज का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा : ओम प्रकाश राजभर

देवरिया (हिंस)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की ओर से रविवार को सोनूघाट स्थित जनता इंटर कॉलेज के मैदान में सामाजिक समरसता रैली आयोजित की गई। रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने उत्तर प्रदेश के विभाजन और पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश चार हिस्सों में बंटेगा। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल अलग राज्य बना तो राजभर समाज का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा। ओमप्रकाश राजभर ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण में हिस्सेदारी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने जातिगत जनगणना के बाद आरक्षण में हिस्सेदारी के सवाल पर आगे बढ़ने और आरक्षण के बंटवारे की मांग दोहराई।

अब 1.80 लाख आय वाले परिवारों को भी मिलेगा लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नवंबर के महीने में 1.80 लाख रुपए तक आय वाली पात्र महिलाओं को लाडो लक्ष्मी का लाभ मिलेगा। सरकार ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी नाम से महत्वपूर्ण योजना को लागू करके महिलाओं को प्रति महीने 2100 रुपए देने के वायदे को पूरा किया है। अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को योजना का विस्तार किया गया है, अब 1.80 लाख वार्षिक आय वाले परिवार को लाभार्थी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विस्तार के बाद आवेदन के लिए पोर्टल को खोला गया है और पात्र महिलाओं को एक नवंबर के दिन योजना का लाभ पहुंचाया जाएगा। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की

राशि ऑनलाइन माध्यम से उनके खातों भेजी जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को लाडवा विधानसभा में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 12 साल में प्रदेश के 2 लाख युवाओं को बिना खर्ची पर्ची योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी है, इससे पहले की सरकार में सरकारी नौकरी पाने के लिए पैसा और सिफारिश ढूंढनी पड़ती थी, लेकिन अब गरीब का बेटा ग्रुप डी से लेकर एचसीएस तक की नौकरी योग्यता के आधार पर पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेज गति के साथ विकास कार्य करवाएं जा रहे है। उन्होंने गांव कालीरानों में गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपए और लाइब्रेरी की किताबों के लिए 2 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही गांव सुल्तानपुर में 21 लाख रुपए गांव के विकास के लिए और 5 लाख रुपए गुरुद्वारा साहिब में देने की घोषणा की, इसी तरह गांव सोंटी, गांव बीड सोंटी और गांव के गुरुद्वारा साहिब में 21-21 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की है। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी महेन्द्र सैनी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले हरियाणा सरकार ने नागरिकों से 217 वायदे किए थे, जिनमें से सरकार द्वारा अब तक 70 वायदों को पूरा करने का काम किया गया है और बाकि पर तीव्र गति से काम किया जा रहा है। सरकार द्वारा शपथ लेते ही अपने वादों को पूरा करने का काम शुरु कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नेशनल हाईवे और अन्य बड़े मार्गों से जोडने् के लिए सड़कों का जाल बिछाने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे पहले प्रदेश सरकार ने किसानों की सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदे का काम शुरू किया।

शेखावत का राहुल गांधी पर हमला

बोले, सरनेम धारण करने से जिम्मेदारी और परिपक्वता नहीं आती

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि किसी का सरनेम धारण कर लेने भर से उस सरनेम से जुड़ी विरासत, परिपक्वता और जिम्मेदार आचरण हासिल नहीं किया जा सकता। रविवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने ही देश के प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें सार्वजनिक मंच पर कीं, वह अशोभनीय भी हैं और निंदनीय भी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पुराने व्यवहार को देखते हुए उनका यह आचरण कोई नई बात नहीं है। शेखावत ने कहा कि आप सरनेम किसी से चुरा सकते हो, लेकिन उस सरनेम के साथ जुड़ी लीगेसी, परिपक्वता और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण का व्यवहार केवल सरनेम धारण करने से हासिल नहीं कर सकते। कांग्रेस द्वारा नगर निगम चुनाव में हाइब्रिड तकनीक के माध्यम से राजेंद्र सोलंकी को उम्मीदवार बनाए जाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह नियम-कायदे के दायरे में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए शायद इसी उद्देश्य से नियमों में संशोधन किया होगा। उन्होंने कहा कि शहर के मतदाता पहले ही अपना मानस व्यक्त कर चुके हैं। नगर निगम बोर्ड के लिए चुने गए सदस्यों ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में, चुनाव को लेकर जनता और निर्वाचित प्रतिनिधियों की भावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शेखावत ने हाल में झूठ और अफवाहें फैलाने की कोशिशों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी इस तरह की कोशिश की गई थी। रात में थाना रातानाडा जाकर एक हाईवोल्टेज पॉलिटिकल ड्रामा खड़ा करने का प्रयास किया गया, लेकिन सुबह होते-होते वह पटाखा फुस्स हो गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक माहौल को अनावश्यक रूप से गरमाने और झूठ-अफवाहों के जरिए भ्रम पैदा करने की कोशिशें जनता के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सकतीं।

जोधपुर में लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग के दो इनामी शूटर गिरफ्तार, व्यापारी से रंगदारी की फिराक में थे

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में लॉरेंस-आरजू बिश्नोई गैंग से जुड़े दो इनामी शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पंजाब पुलिस ने पांच-पांच लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के अनुसार दोनों करीब डेढ़ वर्ष से फरार थे और नेपाल चले गए थे। नेपाल से लौटने के बाद मध्यप्रदेश के रास्ते राजस्थान पहुंचे दोनों जोधपुर में एक व्यापारी को धमकाकर रंगदारी मांगने की फिराक में थे। एडीजी एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन के निर्देशन तथा जोधपुर पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया, डीआईजी योगेश यादव और एएसपी सिद्धांत शर्मा के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई। अभियान का नेतृत्व डीएसपी रविंद्र प्रताप तथा पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ और राम सिंह ने किया। एडीजी दिनेश एमएन के अनुसार एजीटीएफ को दोनों के सिरोही में होने और वहां से जोधपुर की ओर आने की सूचना मिली थी। निगरानी के बाद पुलिस ने जोधपुर के कैलाश नगर स्थित होटल सनसिटी इन के कमरा नंबर 204 में दबिश दी। दोनों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए नवीन जाखड़ और आशू चाबड़ा नाम बताए, लेकिन पूछताछ में उनकी पहचान

जसकरण सिंह उर्फ करण उर्फ सन्नी उर्फ कट्टा (23), निवासी हरसिंह रायनगर, फाजिल्का और राजिंदर सिंह उर्फ बिल्ला (23), निवासी बलुआना, थाना सदर अबोहर, फाजिल्का के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार जसकरण के बैग से 58 ग्राम और राजिंदर के बैग से 25 ग्राम, कुल 83 ग्राम अफीम का दूध बरामद हुआ। राजिंदर के कब्जे से एक अवैध रिवॉल्वर भी मिली। दोनों के पास से 88,100 रुपए नकद, कूटरचित आधार कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य दस्तावेज जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार राजिंदर के खिलाफ अबोहर, फाजिल्का और संगरूर में वर्ष 2023 से 2025 के बीच हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट, धमकी, चोरी-संपत्ति संबंधी अपराध, सामूहिक हिंसा और आर्म्स एक्ट सहित आठ मामले दर्ज हैं। जसकरण के खिलाफ फाजिल्का और अबोहर में हत्या, मारपीट, हथियार से चोट पहुंचाने, बलवा, आपराधिक धमकी, लूट और आर्म्स एक्ट सहित चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों अबोहर के कपड़ा व्यापारी संजय वर्मा और फाजिल्का में साहिल सेन की हत्या सहित कई मामलों में वांछित बताए गए हैं। पंजाब के अलावा हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश पुलिस को भी उनकी तलाश थी। पुलिस के अनुसार राजस्थान में व्यापारियों को धमकी और रंगदारी की घटनाओं के मद्देनजर एजीटीएफ ने गैंग से जुड़े शूटरों और राजस्थान से सटे पंजाब-हरियाणा क्षेत्र के बदमाशों पर निगरानी बढ़ाई थी। दोनों के जोधपुर पहुंचने की पुष्टि के बाद कमिश्नरेट पुलिस के सहयोग से उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से जोधपुर आने के उद्देश्य, संभावित वारदात और गैंग के अन्य सदस्यों तथा संपर्कों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में एजीटीएफ के एएसआई राकेश की विशेष भूमिका रही। पुलिस निरीक्षक रामसिंह, हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार, कांस्टेबल रविन्द्र सिंह, सुमेर सिंह, राकेश, राकेश कुमार और चालक कांस्टेबल दिनेश चंद भी टीम में शामिल रहे। एयरपोर्ट थाना जोधपुर पूर्व के थानाधिकारी भरत सिंह रावत और उनकी टीम ने सहयोग किया।

चुनाव नजदीक आते ही सपा की बढ़ने लगती है गुंडई : बृजलाल

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं राज्यसभा सांसद बृजलाल ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही समाजवादी पार्टी (सपा) नेताओं की गुंडई बढ़ने लगती है। उन्होंने हाल की कुछ घटनाओं का उल्लेख करते हुए सपा के पुराने शासनकाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठाए। बृजलाल ने रविवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बयान दिया। उन्होंने संतकबीरनगर के सांसद से जुड़े गणेश चतुर्थी विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनावी माहौल में इस तरह की घटनाएं राजनीतिक गतिविधियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने रायबरेली में सपा नेता और पुलिस के बीच हुए विवाद का भी जिक्र किया। राज्यसभा सांसद ने वर्ष 2011 के मुरादाबाद बवाल की घटना को भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि उस मामले में मुकदमों की वापसी की प्रक्रिया अपनाई गई थी, लेकिन बाद में आरोपितों को अदालत से सजा मिली। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को प्रदेश की जनता को याद रखना चाहिए। बृजलाल ने सपा के सत्ता में लौटने की स्थिति में कानून-व्यवस्था को लेकर आशंका जताते हुए कहा कि जनता को उसके पिछले शासनकाल की घटनाओं और उस दौरान कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जनता के सामने पुराने घटनाक्रम और राजनीतिक दलों का रिकॉर्ड भी चर्चा का विषय बनता है।

आगरा : यूजीसी कानून के खिलाफ निकाला ट्रैक्टर मार्च

आगरा (हिंस)। यूजीसी मुक्ति मोर्चा की ओर से रविवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एक्ट के विरोध में एससी/एसटी एक्ट में सुधार किए जाने, आर्थिक आधार पर सभी को आरक्षण दिए जाने आदि मांगों को लेकर आगरा के खंदौली क्षेत्र से ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ ही दूरी पर ट्रैक्टर मार्च को रोक लिया। इससे नाराज मोर्चा में शामिल कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी और हंगामा किया। इस दौरान पुलिस से हल्की झड़प और नोंकझोंक भी हुई। यूजीसी मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान (सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी उत्तर प्रदेश पुलिस), नरेंद्र विक्रम सिंह प[...] संयुक्त देखरेख में थानाक्षेत्र खंदौली अंतर्गत मुडी चौराहे से ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। मार्च में करीब 150 से 200 ट्रैक्टर के साथ-साथ एक सैकड़ा चार पहिया वाहन, दो पहिया वाहन शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान यूजीसी कानून, एससी-एसटी कानून के विरुद्ध नारेबाजी और प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ता नादऊ पुल की ओर बढ़ने लगे। प्रदर्शनकारियों का कार्यक्रम कलेक्ट्रेट पहुंचकर यूजीसी कानून के विरोध में अपनी मांगों के संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन देने का था लेकिन थानाक्षेत्र खंदौली अंतर्गत नादऊ पुल के नीचे पुलिस बल ने जेसीबी, डंफर ट्रक, हाइड्रा लगाकर उन्हें रोक लिया गया।प्रदर्शनकारियों के ट्रैक्टर वाहनों को रोकने पर पुलिस से वाद-विवाद, झड़प होने पर कुछ नवयुवक, किनारे खेतों से होकर आगरा-यमुना एक्सप्रेस वे पर चढ़कर दोनों साइडों पर कुछ देर के लिए वाहनों आवागमन अवरुद्ध कर दिया। पुलिस ने काफी मशक्कत कर प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर अवरुद्ध मार्ग (एक्सप्रेस वे) को दोनों ओर से सुचारू कराया। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने बताया कि प्रदर्शनकारियों से बातचीत की गई, जिससे वह रास्ते में ही अपना ज्ञापन देने के लिए सहमत हो गए। ज्ञापन [...]भी लोग अपने गंतव्य को प्रस्थान कर गए। ट्रैक्टर मार्च में सम्मिलित नितेश भारद्वाज मंडल अध्यक्ष अखिल भारत हिंदू महासभा ने बताया कि आज हमारे द्वारा यूजीसी काले कानून का विरोध किया गया है। हम सभी बहुत अधिक मात्रा में यहां पर एकत्रित हुए हैं। हमारा संदेश केंद्र तक जायेगा। ट्रैक्टर मार्च में मुख्य रूप से भाकियू (भानू) मजदूर मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष-अभिषेक चौहान अवनीश-राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव, जितेन्द्र त्यागी- राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष सम्पूर्ण समाधान संगठन किसान, राघवेंद्र चैहान, फूल सिंह चौहान, सीटू परमार, रोहित चैहान, मनोज सिकरवार सम्मिलित रहे।

थाईलैंड के 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने किया महाबोधि मंदिर का दर्शन, बिहार की बौद्ध विरासत से हुए अभिभूत

पटना (हिंस)। बिहार पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित *फैम टूर ऑफ लोटस ट्रायंगल-ट्रैवल टू लैंड ऑफ एनलाइटेनमेंट* के तहत थाईलैंड से आए 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को बोधगया स्थित विश्वप्रसिद्ध महाबोधि मंदिर का दर्शन किया। पवित्र बौद्ध परिपथ की यात्रा पर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने महाबोधि मंदिर में प्रार्थना कर भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली का आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल महाबोधि मंदिर बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए प्रमुख तीर्थस्थल और आध्यात्मिक केंद्र है। थाई प्रतिनिधिमंडल ने उस पवित्र स्थल पर श्रद्धा व्यक्त की, जहां मान्यता के अनुसार भगवान बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। मंदिर परिसर की शांति, करुणा और आध्यात्मिक वातावरण ने थाई अतिथियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। विशेष सचिव सह पर्यटन निदेशक उदयन मिश्रा ने बताया कि बिहार सरकार राज्य के बौद्ध परिपथ से जुड़े स्थलों के विकास, प्रचार-प्रसार और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि थाई प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा बिहार की बौद्ध विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के साथ-साथ भारत और थाईलैंड के बीच पर्यटन एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने में सहायक होगा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बोधगया की यात्रा को अविस्मरणीय अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली पर पहुंचना उनके लिए आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षण रहा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बोधगया के डूंगरेश्वरी पहाड़ी, सुजाता

मंदिर और सुजाता स्तूप का भी भ्रमण किया। इसके अलावा थाई मंदिर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संग्रहालय तथा 80 फीट ऊंची बुद्ध प्रतिमा का अवलोकन किया। यात्रा के दौरान थाई अतिथियों को बिहार की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य से भी परिचित कराया जा रहा है। पर्यटन विभाग द्वारा तैयार कार्यक्रम का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को राज्य के बौद्ध, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों से रूबरू कराना है। बोधगया से शुरू हुई प्रतिनिधिमंडल की यात्रा राजगीर, नालंदा, वैशाली और पटना तक जारी रहेगी। 21 सितंबर को प्रतिनिधिमंडल गेहलौर में दशरथ मांझी स्मारक, राजगीर नेचर सफारी और ग्लास ब्रिज का भ्रमण करेगा। इसके बाद नालंदा स्थित विश्व धरोहर स्थल प्राचीन नालंदा महाविहार तथा राजगीर के विश्व शांति स्तूप, वेणुवन समेत अन्य प्रमुख स्थलों का अवलोकन प्रस्तावित है। यात्रा के अगले चरण में प्रतिनिधिमंडल वैशाली में अवशेष स्तूप, विश्व शांति स्तूप और कोल्हुआ स्थित अशोक स्तंभ का भ्रमण करेगा। यात्रा के अंतिम चरण में पटना में स्थानीय पर्यटन हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। पर्यटन विभाग के अनुसार, यह यात्रा भारत और थाईलैंड के बीच साझा बौद्ध विरासत तथा सदियों पुराने आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

रुपए बचाने की सफलता आरबीआई के लिए बनी नई चुनौती

घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए की तरलता का संकट

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर(बी) योजना की सफलता के बाद एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जिस योजना को डालर आकर्षित कर रुपये के अनियंत्रित अवमूल्यन को रोकने के लिए सराहा गया था, उसी ने अब घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की अधिशेष तरलता पैदा कर दी है।

आरबीआई के सामने इस विशाल धन को संभालने के लिए दो कठिन और महंगे विकल्प हैं, जो भविष्य में विनिमय दर में गिरावट या पुनर्भुगतान के दबाव से पहले ही लागतें बढ़ा रहे हैं। इस विशेष सुविधा के तहत कुल 136.4 अरब डालर जुटाए गए, जिसमें एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से 127.2 अरब डालर शामिल हैं, और आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित कर रुपये जारी किए, जिससे यह तरलता समस्या उत्पन्न हुई।

पहला विकल्प था कि डालर को बाजार में आने दिया जाए, जिससे रुपया और मजबूत होता। 2013 में, जब भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.7 फीसदी था और मुद्रास्फीति चरम पर थी, यह कदम उपयुक्त हो सकता था। उस समय एफसीएनआर(बी) ने लगभग 34 अरब डालर आकर्षित किए थे। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य भिन्न है।

भारत के पास पर्याप्त भंडार, स्वस्थ वृद्धि दर और लगभग शून्य चालू खाता घाटा है। बाजार में पूरी तरह से पैसा आने देने से रुपया 90 रुपए से नीचे जा सकता था, जिससे निर्यात को नुकसान होता और घरेलू विनिर्माण कमजोर पड़ता। यही कारण था कि आरबीआई ने अधिकांश विदेशी मुद्रा को अवशोषित करना उचित समझा, लेकिन इससे विनिमय दर की समस्या अब तरलता की समस्या में बदल गई है।

दूसरा विकल्प यह है कि बैंकों के पास भंडार छोड़ दिया जाए ताकि वे अधिक ऋण दे सकें। हालांकि, यह उच्च ताकत वाला धन है, और बैंकों द्वारा ऋण देने से व्यापक मुद्रा कई गुना बढ़ सकती है, जिससे अंततः मुद्रास्फीति उत्पन्न होने का जोखिम है।

इससे भी गहरा खतरा रिजर्व रैचेट प्रभाव का है, जैसा कि विरल आचार्य और अन्य अर्थशास्त्रियों के शोध में सामने आया है। इसके तहत बैंक प्रचुर भंडार के आधार पर अपनी बैलेंस शीट का पुनर्गठन करते हैं। जब केंद्रीय बैंक इन भंडारों को निकालने का प्रयास करता है, तो बैंक तरलता का संचय कर सकते हैं, ऋण देना कम कर सकते हैं, या अल्पकालिक वित्तपोषण के लिए संघर्ष कर सकते हैं, जिससे आरबीआई को फिर से भंडार डालने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। यह दर्शाता है कि भंडार बनाना आसान है, लेकिन उन्हें हटाना एक कठिन कार्य है।

न्यूज ब्रीफ

माडल-वार बिक्री के आंकड़ों में स्कार्पियो सबसे आगे

नई दिल्ली। अगस्त 2026 की महिंद्रा एंड महिंद्रा की माडल-वार बिक्री के आंकड़ों में स्कार्पियो सबसे आगे रही है। अगस्त में स्कार्पियो क्लासिक और स्कार्पियो एन की कुल 15,576 यूनिट बिकीं, जबकि अगस्त 2025 में 9,840 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर 5,736 यूनिट की बढ़ोतरी के साथ बिक्री में 58.29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। स्कार्पियो का बाजार हिस्सा 26.29 प्रतिशत रहा। एक्सयूवी 7एक्स0 कंपनी की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली माडल रही। अगस्त 2026 में इसकी 8,541 यूनिट बिकीं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 4,956 यूनिट की बिक्री हुई थी। बिक्री में 3,585 यूनिट की बढ़ोतरी के साथ इसे 72.34 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मिली। इसका बाजार हिस्सा 14.41 प्रतिशत रहा। एक्सयूवी 3एक्स0 और इसके इलेक्ट्रिक संस्करण की 8,302 यूनिट बिकीं। पिछले साल यह आंकड़ा 5,521 यूनिट था। यानी बिक्री 50.37 प्रतिशत बढ़ी और बाजार हिस्सा 14.01 प्रतिशत रहा। बोलेरो की 7,777 यूनिट बिकीं, जो अगस्त 2025 की 7,617 यूनिट से 2.10 प्रतिशत अधिक है। इसका बाजार हिस्सा 13.12 प्रतिशत रहा। इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो में एक्सईवी 9एस और 9ई ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की। इन दोनों की 6,509 यूनिट बिकीं, जबकि पिछले साल 2,313 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह 181.41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई और बाजार हिस्सा 10.98 प्रतिशत रहा। थार राक्स की 5,817 यूनिट और थार की 4,647 यूनिट बिकीं। थार की बिक्री में 119.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीई 6 की 1,696 यूनिट बिकीं। वहीं बोलेरो नियो प्लस की बिक्री घटकर 382 यूनिट रह गई।

विलीज सीजे-2ए की याद में जीप ने पेश किया रैंगलर जेएल-2ए

नई दिल्ली। साल 1945 में पेश की गई विलीज सीजे-2ए की विरासत को ध्यान में रखकर जीप कंपनी ने अपनी मशहूर रैंगलर का खास संस्करण जेएल-2ए पेश किया है। नया रैंगलर जेएल-2ए मौजूदा रैंगलर रुबिकान पर आधारित है। सीजे-2ए जीप का वह माडल था, जिसे आम नागरिकों के इस्तेमाल के लिए विकसित किया गया था। कंपनी ने इसके डिजाइन और इंटीरियर में पुराने दौर की जीप से प्रेरित कई बदलाव किए हैं, जबकि आफ-रोड क्षमता से जुड़े प्रमुख यांत्रिक उपकरणों में बदलाव नही किया गया है। इसकी बुकिंग अक्टूबर से शुरू होगी। जेएल-2ए के दो-दरवाजे वाले संस्करण को गोबी रंग में पेश किया गया है, जो मूल सीजे-2ए के हार्वेस्ट टैन रंग की याद दिलाता है। चार-दरवाजे वाला संस्करण 41 नाम के जैतूनी हरे रंग में उपलब्ध होगा। इसके अलावा ब्राइट व्हाइट, स्टिंग ग्रे, घोस्ट और जूस रंगों के विकल्प भी मिलेंगे। इसमें 17 इंच के पुराने अंदाज वाले पहिए और 33 इंच के बीएफगुडरिच केओ2 आल-टेरेन टायर दिए गए हैं।

किआ इंडिया ने की लाइफटाइम हाई-वोल्टेज बैटरी वारंटी की घोषणा

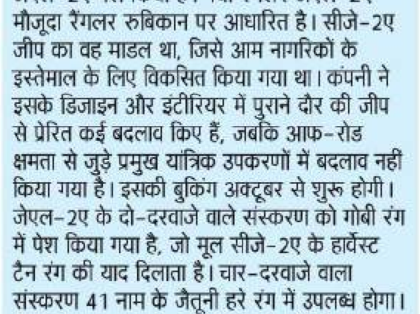

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स, महिंद्रा और एमजी मोटर इंडिया के बाद अब किआ इंडिया ने भी अपनी इलेक्ट्रिक कार के लिए लाइफटाइम हाई-वोल्टेज बैटरी वारंटी की घोषणा की है। भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियां ग्राहकों को बैटरी से जुड़ी अतिरिक्त सुरक्षा देने पर जोर दे रही हैं। इसी कडी में अब यह सुविधा किआ कैरेंस क्लैविस ईवी के पहले मालिकों को देने जा रही है1 अगस्त 2026 से बेची जाने वाली कारों पर यह वारंटी लागू होगी। हालांकि, लाइफटाइम का अर्थ यहां अधिकतम 15 साल या अनलिमिटेड किलोमीटर का कवरेज है। कंपनी के अनुसार, पहले कैरेंस क्लैविस ईवी पर 8 साल या 1.60 लाख किलोमीटर की बैटरी वारंटी मिलती थी। नई योजना के तहत पहले मालिक को 15 साल तक बिना किलोमीटर सीमा के हाई-वोल्टेज बैटरी कवरेज मिलेगा। वहीं, दूसरे मालिक के लिए 8 साल या 1.60 लाख किलोमीटर, जो भी पहले हो, की वारंटी लागू रहेगी। टैक्सी और फ्लीट जैसी व्यावसायिक गाड़ियों पर भी यही 8 साल या 1.60 लाख किलोमीटर का कवरेज रहेगा। 1 अगस्त 2026 से पहले कैरेंस क्लैविस ईवी खरीद चुके ग्राहक भी अपनी मौजूदा बैटरी वारंटी को 15 साल तक बढ़ा सकते हैं। इसके लिए उन्हें कर सहित 3,400 रुपये का भुगतान करना होगा।

लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

पैसे की तंगी से आयातकों को घाटा, लागत से कम दाम पर बिके सोयाबीन-पाम तेल

नई दिल्ली

बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है।

इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई। हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं।

बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। विदेशों में आई गिरावट के बावजूद निरंतर मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।

सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। नयी फसल की आवक शुरू होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 500 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार आर्थेंटिकेशन अनिवार्य

फर्जी कनेक्शनों पर लगेगी लगाम; बिना प्रमाणीकरण बाजार भाव पर मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली

घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक अहम खबर है। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार आर्थेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया है। इ इस फैसले का मकसद सब्सिडी का लाभ केवल पात्र परिवारों तक पहुंचाना और फर्जी कनेक्शनों पर लगाम लगाना है। जिन ग्राहकों ने पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर तक लगभग 90 फीसदी (27.43 करोड़) घरेलू एलपीजी ग्राहकों ने अपना बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें 1 अक्टूबर के बाद सब्सिडी वाले दाम पर सिलेंडर लेने में परेशानी हो सकती है और उन्हें बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना पड़ सकता है। सरकार का यह कदम सब्सिडी के भारी वित्तीय बोझ को सही दिशा में ले जाने और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक है, क्योंकि कई बार फर्जी कनेक्शनों के कारण वास्तविक लाभार्थियों तक सब्सिडी का लाभ नहीं पहुंच पाता। सरकार ने इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई विकल्प दिए हैं। ग्राहक डिलीवरी बाय के मोबाइल या बायोमेट्रिक स्कैनर के जरिए घर पर ही फिंगरप्रिंट या फेस-आईडी आर्थेंटिकेशन करा सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित गैस एजेंसी के कार्यालय में जाकर बायोमेट्रिक काउंटर से अपनी ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। ग्राहक अपने मोबाइल पर संबंधित आयल मार्केटिंग कंपनियों के आधिकारिक ऐप्स के माध्यम से भी फेस-आर्थेंटिकेशन कर सकते हैं। किसी भी सहायता या पूछताछ के लिए सरकार के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 2333 555 पर संपर्क किया जा सकता है। यह प्रमाणीकरण अभियान अक्टूबर 2023 से चल रहा है और इसकी समय-सीमा सात बार बढ़ाई जा चुकी है। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने ग्राहकों को जागरूक करने के लिए 12 करोड़ से ज्यादा एसएमएस और वाटसऐप मैसेज भेजे हैं। सरकार अंतरराष्ट्रीय दरों के मुकाबले ग्राहकों को कम कीमत पर सिलेंडर मुहैया कराने के लिए भारी वित्तीय बोझ उठाती है, जिसे सही लाभार्थियों तक पहुंचाना महत्वपूर्ण है। स्पष्ट किया गया है कि 1 अक्टूबर के बाद एलपीजी की सप्लाई बंद नहीं होगी।

इस सप्ताह 170 से अधिक कंपनियां देंगी डिविडेंड

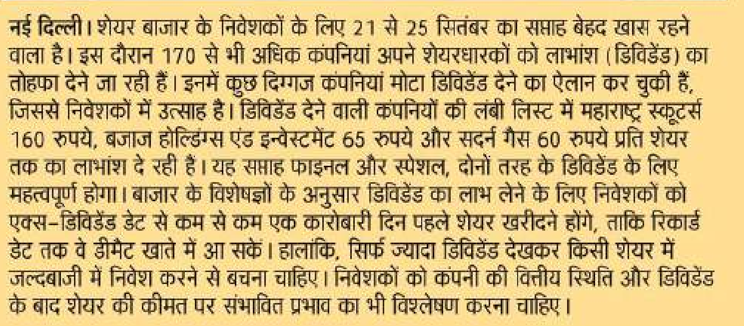

नई दिल्ली। शेयर बाजार के निवेशकों के लिए 21 से 25 सितंबर का सप्ताह बेहद खास रहने वाला है। इस दौरान 170 से भी अधिक कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) का तोहफा देने जा रही हैं। इनमें कुछ दिग्गज कंपनियां मोटा डिविडेंड देने का ऐलान कर चुकी हैं, जिससे निवेशकों में उत्साह है। डिविडेंड देने वाली कंपनियों की लंबी लिस्ट में महाराष्ट्र स्कूटर्स 160 रुपये, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट 65 रुपये और सदर्न गैस 60 रुपये प्रति शेयर तक का लाभांश दे रही हैं। यह सप्ताह फाइनल और स्पेशल, दोनों तरह के डिविडेंड के लिए महत्वपूर्ण होगा। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार डिविडेंड का लाभ लेने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड डेट से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदने होंगे, ताकि रिकार्ड डेट तक वे डीमैट खाते में आ सकें। हालांकि, सिर्फ ज्यादा डिविडेंड देखकर किसी शेयर में जल्दबाजी में निवेश करने से बचना चाहिए। निवेशकों को कंपनी की वित्तीय स्थिति और डिविडेंड के बाद शेयर की कीमत पर संभावित प्रभाव का भी विश्लेषण करना चाहिए।

वारेन बफे का मास्टरस्ट्रोक! खरबों की कंपनी का चेयरमैन बना किसान बेटा हावर्ड

वित्तीय दुनिया से दूर रहे हावर्ड अब कंपनी की संस्कृति और मूल्यों को आगे बढ़ाएंगे

नई दिल्ली

दुनिया के सबसे बड़े निवेशक और ओमाहा के ओरेकल के नाम से मशहूर वारेन बफे ने आखिरकार अपनी खरबों डालर की कंपनी बर्कशायर हैथवे के उत्तराधिकारी की घोषणा कर दी है। उन्होंने अपने बड़े बेटे हावर्ड ग्राहम बफे को कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति बर्कशायर के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां हावर्ड कंपनी के दीर्घकालिक मूल्यों और संस्कृति को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जबकि दैनिक परिचालन सीईओ ग्रेग एबेल के जिम्मे रहेगा।

हावर्ड ग्राहम बफे का करियर अपने पिता वारेन बफे या किसी भी पारंपरिक कार्पोरेट लीडर से बेहद अलग रहा है। उन्होंने बर्कशायर हैथवे से जुड़ने से पहले एक किसान के रूप में हजारों एकड़ जमीन पर खेती की, पुलिस शेरिफ के तौर पर भी सेवा दी और एक युद्ध फोटोग्राफर के रूप में भी काम किया। वह 1 अरब डालर के एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) का संचालन करते हैं, जिसने सूडान और कांगो जैसे गरीब देशों में उल्लेखनीय काम किया है। उनके सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें मैक्सिको, कोलंबिया और रवांडा जैसे देशों में काफी सम्मान मिला है। बफे ने स्पष्ट किया है कि हावर्ड का काम कंपनी के मूलभूत सिद्धांतों और संस्कृति को बनाए रखना होगा, न कि बैलेंस शीट या दैनिक परिचालन देखना।

हावर्ड साल 1993 से बर्कशायर के बोर्ड में हैं। उनकी नई चेयरमैन के तौर पर सैलरी का खुलासा अभी नहीं किया गया है, हालांकि निदेशक के तौर पर पहले उन्हें लगभग 3 हजार डालर (करीब 2.70 लाख रुपये) सालाना मिलते थे। हालांकि हावर्ड को कंपनी का चेयरमैन बनाया गया है, लेकिन उन्हें वारेन बफे की पूरी 145 अरब डालर की नेट वर्थ का एकमात्र उत्तराधिकारी नहीं माना जा सकता। वारेन के दो अन्य बच्चे, बेटी सूजी और बेटे पीटरसन भी इस संपत्ति में हकदार हैं। वारेन बफे ने पहले ही अपनी अधिकांश संपत्ति दान करने की मंशा जताई है, जबकि अपने बच्चों के लिए सालाना 50 करोड़ डालर की आय का प्रावधान किया है। हावर्ड की यह नियुक्ति बर्कशायर हैथवे में नेतृत्व के एक नए युग की शुरुआत करती है, जो वित्तीय लाभ के बजाय मूल्यों और विरासत पर केंद्रित होगी।

स्क्रैम्बलर 400एक्स बाइक नए रंग विकल्प के साथ पेश

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में ट्रायम्फ मोटरसाइकिल्स ने अपनी लोकप्रिय स्क्रैम्बलर 400एक्स को एक नए रंग विकल्प मैट प्यूटर ग्रे और मैट खाकी बैंड के साथ पेश किया है। यह अपडेट मुख्य रूप से बाइक के दृश्य अपील को बढ़ाने के लिए है, जबकि इसके दमदार इंजन और आफ-रोड क्षमता से जुड़े फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

खास बात यह है कि इस नए रंग के बावजूद मोटरसाइकिल की एक्स-शोरूम कीमत पहले की तरह 2.65 लाख रुपये ही बनी हुई है। नई रंग योजना में फ्यूल टैंक को मैट ग्रे फिनिश दी गई है और उस पर मैट खाकी रंग का बैंड है, जो बाइक को एक नया और अधिक मजबूत लुक देता है। हालांकि, बाइक के मूल स्क्रैम्बलर डिजाइन में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है।

इसमें गोल हेडलैंप, टियरड्राप आकार का फ्यूल टैंक, सुनहरे रंग के यूएसडी फ्रंट फोर्क और भूरे रंग की आरामदायक सीट पहले की तरह मौजूद हैं। यह नया रंग मई 2025 में पेश किए गए लावा रेड सैटिन विकल्प से अलग अनुभव देता है। स्क्रैम्बलर 400एक्स में 349 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन है, जो 36.5 बीएचपी की अधिकतम पावर और 32 न्यूटन मीटर का पीक टार्क पैदा करता है। यह इंजन शहर की सड़कों और हाईवे, दोनों पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अनुकूल है।

इसमें स्विचेबल ट्रैक्शन कंट्रोल, राइड-बाय-वायर थ्राटल और स्विचेबल डुअल-चैनल एबीएस जैसी उन्नत सुरक्षा और सुविधाएँ मिलती हैं। इसके अतिरिक्त, एलईडी लाइटिंग और सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी बाइक का हिस्सा हैं। बड़े पहियों का संयोजन - आगे 19 इंच और पीछे 17 इंच के पहिए - स्क्रैम्बलर 400एक्स को ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी आसानी से चलाने में मदद करता है। यह विशेषता इसे केवल शहर तक सीमित नहीं रखती बल्कि हल्की आफ-रोडिंग और लंबी दूरी की यात्राओं के लिए भी उपयुक्त बनाती है।

सेमीकंडक्टर महाशक्ति बन रहा भारत, खतरे को लेकर मंत्री ने चेताया, चिप डिजाइन और विनिर्माण दोनों में अपनी क्षमताओं का कर रहा विस्तार

नई दिल्ली। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, जो चिप डिजाइन और विनिर्माण दोनों में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगाह किया है कि भारत की इस बढ़ती क्षमता को वैश्विक चिप उद्योग के स्थापित खिलाड़ी खतरे के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने देश को संभावित साइबर हमलों, भू-राजनीतिक जोखिमों और अन्य व्यवधानों के प्रति लगातार सतर्क रहने की सलाह दी। मंत्री ने जोर दिया कि भारत अब चिप डिजाइन और विनिर्माण कर सकता है, जिससे कई स्थापित कंपनियों के हित प्रभावित होंगे। भारत केवल चिप असेंबली तक सीमित न रहकर संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र - डिजाइन, विनिर्माण, उपकरण, सामग्री, पैकेजिंग, आरएंडडी और मानव संसाधन - विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वैष्णव ने उद्योग को साइबर हमलों और अन्य व्यवधानों के लिए तैयार रहने की सलाह दी, क्योंकि दुनिया भारत को विश्वसनीय भागीदार के रूप में देख रही है। इस दिशा में, मंत्रिमंडल ने 1.27 लाख करोड़ रुपये के सेमीकान 2.0 को मंजूरी दी है, जो चिप डिजाइन से लेकर प्रतिभा विकास तक पूरे क्षेत्र को बढ़ावा देगा।

शिवम दुबे ने खोले बचपन के राज, रसोइये और पिता ने पहचाना टैलेंट

नई दिल्ली

भारतीय टीम के स्टार आलराउंडर शिवम दुबे ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बचपन और क्रिकेटर बनने के सफर के दिलचस्प राज खोले। 2024 और 2026 में लगातार दो बार भारतीय क्रिकेट टीम के साथ टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले शिवम ने बताया कि कैसे उनके घरेलू रसोइये और बाद में उनके पिता ने उनके अंदर के क्रिकेटर को पहचाना।

शिवम ने याद करते हुए बताया कि उनके क्रिकेटिंग सफर की शुरुआत उनके रसोइये की बदौलत हुई, जिसने उनके लंबे छक्के देखकर बाल फेंकने से इनकार कर दिया था। शिवम दुबे ने कहा, मेरे कुक ने दो-तीन बार मुझे बालिंग कराई है। फिर उसने मुझे बालिंग करनी बंद कर दी। मैंने फिर पापा को बोला कि मेरे साथ ये नहीं खेलता है।

फिर पापा ने कुक को डांटा। कुक ने बताया कि ये बहुत दूर-दूर मारता है मैं थक जाता हूं तो फिर खाना कैसे बनाऊंगा। फिर पापा ने बोला कि मेरे सामने बालिंग कराओ उसे। मैंने भी पापा के सामने जोर से मारा, पता नहीं पापा ने मुझमें ऐसा क्या पहचाना कि उन्होंने तभी मुझे क्रिकेटर बनाने की ठान ली थी।

शिवम ने आगे बताया कि जब वह 22 साल के हुए तब भी उन्हें यकीन नहीं था कि वह क्रिकेटर बनेंगे, लेकिन उनके पापा को पांच साल की उम्र से ही लगा था कि वह क्रिकेटर बनेंगे।

शिवम के आलराउंडर बनने की कहानी भी दिलचस्प है। बकौल शिवम वह इसलिए आलराउंडर बने ताकि अगर बैटिंग में नहीं चल पाए तो बालिंग से विकेट निकालकर टीम में अपनी जगह पक्की रख सकें।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी-20 में खराब फील्डिंग के कारण हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर शिवम ने बेबाकी से कहा कि कोई भी फील्डर जानबूझकर गेंद या कैच नहीं छोड़ता। सभी पूरी कोशिश करते हैं कि गेंद को रोका जाए, लेकिन कभी-कभी ऐसा नहीं हो पाता है। ड्रेसिंग रूम के माहौल को शिवम दुबे ने खुशनुमा बताया और रोहित शर्मा व विराट कोहली को बड़े भाई करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों से कभी डर नहीं लगा बल्कि बड़े भाई या दोस्त की फीलिंग आई।

शिवम ने अपने सफल इंटरनेशनल करियर के पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को क्रेडिट दिया और आईपीएल में बढ़िया करने के लिए महेंद्र सिंह धोनी की तारीफ की। इतना ही नहीं, उन्होंने गौतम गंभीर को मैदान पर गंभीर, लेकिन ग्राउंड के बाहर मस्तीखोर कहने से भी वह नहीं हिचकिचाए, जिससे भारतीय क्रिकेट के भीतर के सौहार्दपूर्ण माहौल का पता चलता है।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियाई खेलः भारत ने 10 मीटर एयर राइफल महिला टीम स्पर्धा में जीता रजत, पहला पदक हुआ पक्का

आइची-नागोया। इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्श के. विनोद की भारतीय तिकड़ी ने 2026 एशियाई खेलों में भारत को पहला पदक दिलाया। भारतीय टीम ने 10 मीटर एयर राइफल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में भारतीय तिकड़ी ने छह-छह सीरीज के बाद कुल 1898.0 अंक हासिल किए। चीन की जिफेई वांग, जियायू हान और युचेन दू की टीम ने 1904.2 अंकों के विश्व रिकार्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जापान की हिनाता ताइची, मिसाकी नोबाता और शिओरी हिराता की टीम ने 1897.1 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इलावेनिल वलारिवन और सोनम मस्कर ने महिला 10 मीटर एयर राइफल की व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बनाई है, जो बाद में खेला जाएगा। क्वालिफिकेशन में सोनम 634.1 अंकों के साथ तीसरे और इलावेनिल 633.5 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं। चीन की जिफेई वांग ने 636.8 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस पदक के साथ भारत ने इस स्पर्धा में लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में रजत पदक जीता है। भारत ने 2023 में हांगझोउ एशियाई खेलों में भी इस स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया था। 10 मीटर एयर राइफल महिला टीम में भारतीय निशानेबाजों का स्कोरःविदर्श के. विनोद - 630.4 अंक, सोनम मस्कर - 634.1 अंक, इलावेनिल वलारिवन - 633.5 अंक।

एशियाई खेलः सुचिका तारियाल ने पदक पक्का किया, एमएमए के सेमीफाइनल में पहुंचीं

आइची-नागोया। भारत की सुचिका तारियाल ने रवि को 2026 एशियाई खेलों में महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना पदक पक्का कर लिया। उन्होंने मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया। 36 वर्षीय सुचिका की इस जीत के साथ कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित हो गया है। अब वह फाइनल में जगह बनाने के लिए सिंगापुर की हुई हून तेओ या ईरान की अरेजू सलीमिगालेहताकी में से किसी एक का सामना करेंगी। मिश्रित मार्शल आर्ट्स इस बार एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाली छह खेल विधाओं में शामिल है। इसके अलावा फ्रीस्टाइल बीएमएक्स, टैकबाल, पैडल, सर्फिंग और वर्चुअल ताइक्वांडो भी पहली बार एशियाई खेलों का हिस्सा हैं।

आस्ट्रेलिया के ब्रेंडन डागेट का भारत दौरे पर फोकसः टेस्ट टीम में जगह बनाना

चेन्नई। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेंडन डागेट अगले साल भारत में होने वाली प्रतिष्ठित बार्डर-गावस्कर ट्राफी के लिए आस्ट्रेलिया की सीनियर टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने की उम्मीद के साथ भारत ए के खिलाफ आगामी सीरीज में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। चेन्नई में चल रही आस्ट्रेलिया ए टीम के साथ भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों की सीरीज उनके लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी का एक महत्वपूर्ण मंच है। फरवरी में लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर क्रिकेट में वापसी कर रहे डागेट, जो पिछले घरेलू सत्र में आस्ट्रेलिया के लिए दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं, इस दौरे को अपनी फिटनेस और फार्म साबित करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, डागेट ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का हिस्सा बन पाऊंगा। मेरा मानना है कि एक आस्ट्रेलियाई के तौर पर यह सबसे बड़ी सीरीज में से एक है। मैंने भारत में टेस्ट क्रिकेट देखते हुए ही बड़ा हुआ हूं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में खेलना वास्तव में बहुत मेहनत और आस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड में मिलने वाली चुनौतियों से बिल्कुल अलग है। अपनी फिटनेस पर बात करते हुए डागेट ने पुष्टि की कि उनका शरीर अभी तक ठीक चल रहा है और वह इंडिया ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने और कुछ टेस्ट क्रिकेट खेलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया, मैं शायद पिछले दो महीनों से पूरी तरह फिट होकर दौड़ रहा हूं। सब कुछ अच्छा लग रहा है और नियंत्रण में है। घर पर सर्दी बिताने के बाद, यहां के हालात बहुत अलग होने वाले हैं। हमने गर्मी से थोड़ा तालमेल बिठाने का काम किया है।

युवराज सिंह के छह छक्कों की बराबरी में लगे 14 साल, कीरोन पोलार्ड ने दोहराया था कारनामा

नई दिल्ली

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाने का रिकार्ड जब युवराज सिंह ने बनाया था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई दूसरा बल्लेबाज इसकी बराबरी कर पाएगा। युवराज ने वर्ष 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ एक ओवर की छह गेंदों पर छह छक्के लगाकर क्रिकेट जगत में इतिहास रचा था। उनके इस कारनामे की बराबरी करने में दूसरे खिलाड़ी को करीब 14 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड ने वर्ष 2021 में यह उपलब्धि हासिल कर युवराज के रिकार्ड की बराबरी की।

युवराज सिंह ने यह ऐतिहासिक कारनामा पहले टी20 विश्व कप के दौरान किया था। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले युवराज शानदार फार्म में नहीं थे। टूर्नामेंट में इससे पहले खेले गए तीन मुकाबलों में उनके बल्ले से महज छह रन निकले थे। स्काटलैंड के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह एक और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच रन बनाकर आउट हुए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में युवराज ने हालांकि आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की। एंड्र्यू फ्लिंटाफ के साथ मैदान पर उनकी कहासुनी भी हुई। इसके बाद युवराज ने अपना गुस्सा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड पर निकाला। पारी के 19वें ओवर में युवराज ने ब्राड की लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिए। इस तरह वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। इस रिकार्ड की बराबरी करने के लिए 14 साल बाद कीरोन पोलार्ड सामने आए। वर्ष 2021 में श्रीलंका के खिलाफ पोलार्ड ने भी लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाए और युवराज के ऐतिहासिक कारनामे की बराबरी कर ली। चूंकि एक ओवर में छह ही गेंदें होती हैं, इसलिए इस रिकार्ड को तोड़ना संभव नहीं है, बल्कि इसकी बराबरी ही की जा सकती है।

इसके बाद इस सूची में नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और समोआ के डेरियस विसर का नाम वर्ष 2024 में जुड़ा। वर्ष 2025 में बुल्गारिया के मनन बशीर ने यह उपलब्धि हासिल की। वर्ष 2026 में नेपाल के कुशल भुर्टेल भी एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए।

आंकड़ों में वैभव सूर्यवंशी से भी खतरनाक हैं अभिषेक शर्मा, गेंदबाजों को देते हैं तबाही

नई दिल्ली। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैचों की टी-20 सीरीज के समापन के बाद, एक खिलाड़ी जिसका नाम हर तरफ गूंज रहा है, वह हैं अभिषेक शर्मा। उन्होंने सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में सिर्फ 30 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया और पहले मुकाबले में भी 82 रनों की दमदार पारी खेली थी। अभिषेक ने पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर आफ द सीरीज का अवार्ड भी अपने नाम किया। हालांकि, जब भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर थी, तब 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन जब उनके आंकड़ों की गहराई से तुलना की जाती है, तो अभिषेक शर्मा वैभव सूर्यवंशी से भी कहीं अधिक खतरनाक और प्रभावी नजर आते हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी सीरीज में प्लेयर आफ द सीरीज रहे, लेकिन उनके आंकड़ों में बहुत बड़ा फर्क देखा गया। जो काम वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे की सीरीज में नहीं कर पाए थे, अभिषेक शर्मा ने भारतीय सरजमीं पर दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में कर दिखाया। जहां वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे में अपने तीन मैचों में 200 के स्ट्राइक रेट को पार नहीं कर पाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 196.10 रहा था, वहीं अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 269.41 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जो अपने आप में एक असाधारण आंकड़ा है। इसी तरह, उस सीरीज में वैभव सूर्यवंशी तीन पारियों में 200 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे, लेकिन अभिषेक शर्मा ने उतनी ही पारियों में 200 से ज्यादा रन (कुल 229 रन) बना दिए। अभिषेक शर्मा ने 76.33 की कमाल की औसत के साथ रन बनाए, जबकि जिम्बाब्वे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी की औसत 50.33 की रही थी। बाउंड्री की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी ने उस सीरीज में सिर्फ 15 चौके और 9 छक्के लगाए थे, वहीं अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में 18 चौके और 22 छक्के जड़ दिए हैं। इन दोनों सीरीजों में दोनों बल्लेबाजों की तुलना करने पर साफ जाहिर होता है कि जब अभिषेक शर्मा अपने रौद्र रूप यानी फुल फार्म में होते हैं, तो वे वैभव सूर्यवंशी से भी कहीं ज्यादा विस्फोटक और गेंदबाजों के लिए विध्वंसक साबित होते हैं।

एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में अमेठी से चुने गए सलमान खान

अमेठी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के खेल जगत के लिए गौरव का क्षण है। अमेठी के प्रतिभावान खिलाड़ी सलमान खान का एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में चयन हुआ है। उनके चयन की खबर मिलते ही खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और जिले के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। सलमान खान के चयन को अमेठी की खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सलमान खान ने अपनी मेहनत, लगन और लगातार अभ्यास के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। भारतीय रोइंग टीम में स्थान हासिल करना उनके खेल करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

एशियाड-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने से जिले के खिलाड़ियों में भी उत्साह का माहौल है। खेल प्रेमियों का मानना है कि सलमान का चयन अमेठी के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

सलमान खान के चयन पर जिले के खेल जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की कामना की है। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक शिवकुमार मौर्य, अंतरराष्ट्रीय एथलीट सूबेदार राहुल पाल, राष्ट्रीय खिलाड़ी डा. अब्दुल हमीद, खेल प्रशिक्षक एम.ओ. आसिफ, एम.ओ. नदीम, राकेश कनौजिया, पंकज दूबे, शहादत, राकेश कश्यप, महेन्द्र पाल, एम.ओ. शकील, प्रधानाचार्य रेखा सिंह तथा जितेन्द्र कुमार सहित अन्य खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों ने सलमान खान को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

खेल जगत से जुड़े लोगों ने कहा कि सलमान की उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है। उनके चयन से अमेठी में रोइंग समेत अन्य खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ने की उम्मीद है। खिलाड़ियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना प्रत्येक खिलाड़ी का सपना होता है और सलमान ने अपनी प्रतिभा व परिश्रम के बल पर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

अब अमेठी के खेल प्रेमियों की निगाहें एशियाड-2026 में सलमान खान के प्रदर्शन पर टिकी हैं। उम्मीद है कि वह अपनी मेहनत, अनुभव और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेंगे और अमेठी के साथ-साथ भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर रोशन करेंगे।

भारतीय महिला हाकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

आइची नागोया। भारतीय महिला हाकी टीम ने गिफू प्रीफेंचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने आठ गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने तीन, लालथंतलुआंगी और नेहा ने दो-दो गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने एक-एक गोल किया। भारत का स्कोरकार्ड भारत की ओर से लालरेमसियामी ने छठे मिनट में, दीपिका ने आठवें, 22वें, 26वें, 33वे, 37वें, 38वें और 41वें और 54वें मिनट में, ईशिका ने 12वें, 42वें और 54वें मिनट में, बलजीत कौर ने 13वें मिनट में, नेहा ने 18वें और 29वें मिनट में, लालथंतलुआंगी ने 43वें और 51वें मिनट में, साक्षी राणा ने 44वें मिनट में, नवनीत कौर ने 45वें मिनट में और रुतुजा पिसल ने 23वें मिनट में गोल दागे। दीपिका ने अकेले इस मैच में आठ गोल दागे जो वर्ल्ड रिकार्ड है। किसी एक मैच में यह सबसे ज्यादा इंडिविजुअल गोल है। हाफटाइम तक 8-0 से आगे थी टीम दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं।

एशियाई खेल 2026 : भारत को मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सहित सभी निशानेबाजों से पदकों की उम्मीद

आइची-नागोया

भारत को जापान के आइची-नागोया में शुरु हुए एशियाई खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सरनोबत सहित कई अन्य खिलाड़ियों से पदकों की उम्मीद है। निशानेबाजी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। एशियाई खेलों में भारत के 30 निशानेबाज विभिन्न स्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं। ऐसे में इनसे देश को काफी पदकों की उम्मीद है। भारतीय दल में युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। को राइफल, पिस्टल और शाटगन, तीनों इवेंट्स में पदक का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

पिस्टल इवेंट्स में भारत की उम्मीदें युवा निशानेबाज मनु भाकर पर लगी हैं।वह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों में चुनौती पेश करेंगी। उनके साथ ईशा सिंह भी 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में दिखेंगी। वहीं अनुभवी राही सरनोबत 25 मीटर पिस्टल में मनु और ईशा का साथ देंगी। इसके अतिरिक्त, सुरुचि सिंह और अनीश जैसे निशानेबाज भी अपनी-अपनी पिस्टल स्पर्धाओं में पदक की दौड़ में होंगे।

राइफल स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष बी. पाटिल और इलावेनिल वलारिवन भारतीय चुनौती को और मजबूत करेंगे। रुद्राक्ष, जिन्हें बड़े चैंपियनशिप का अच्छा अनुभव है, 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन दोनों मुकाबलों में उतरेंगे। वहीं इलावेनिल वलारिवन चैंपियन, 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। आशी चौकसे और तिलोत्तमा सेन जैसी युवा प्रतिभाएं भी राइफल टीम का अहम हिस्सा हैं।

शाटगन दल में भी अनुभवी और युवा निशानेबाजों का अच्छा तालमेल है। पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा कायनन चेनाई पर निगाहें होंगी। महिला ट्रैप में नीरू पर नजरें रहेंगी। अनंतजीत सिंह नारुका, भी स्कीट और मिक्स्ड टीम इवेंट में पदक दावेदार हैं।

50 की उम्र में भी संभाली टीम की कप्तानी, इन दिग्गजों ने उम्र को बनाया महज आंकड़ा

नई दिल्ली

क्रिकेट के डेढ़ सौ साल से अधिक लंबे इतिहास में कप्तानी हमेशा चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी रही है। खासकर तब, जब खिलाड़ी उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चुका हो, जहां आमतौर पर क्रिकेटर संन्यास लेने के बारे में सोचने लगते हैं। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में कुछ ऐसे दिग्गज भी हुए, जिन्होंने बढ़ती उम्र को अपनी राह में बाधा नहीं बनने दिया।

इन खिलाड़ियों ने 40 और 50 वर्ष की उम्र में भी अपनी राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी की और इतिहास में खास जगह बनाई। इस सूची में सबसे पहला और सबसे उल्लेखनीय नाम इंग्लैंड के महान क्रिकेटर डब्ल्यू. जी. ग्रेस का आता है। 1 जून 1899 को नाटिंघम में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए टेस्ट मैच में ग्रेस ने इंग्लैंड की कप्तानी की थी।

उस समय उनकी उम्र 50 साल 320 दिन थी। इस उम्र में कप्तानी करने वाले वह टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे उम्रदराज कप्तान बने। उनका यह रिकार्ड आज भी कायम है। ग्रेस का यह मुकाबला टेस्ट इतिहास का 60वां मैच था।

इसके करीब पांच दशक बाद इंग्लैंड के ही गबी एलन ने भी अपनी उम्र और अनुभव का परिचय दिया। 27 मार्च 1948 को किंग्स्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में एलन ने इंग्लैंड की कप्तानी की। उस समय उनकी उम्र 45 साल 245 दिन थी।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के दौर में उन्होंने अपने अनुभव के जरिए टीम का नेतृत्व किया। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का 298वां मुकाबला था। इससे एक साल पहले इंग्लैंड के महान बल्लेबाज वाली हैमंड ने भी बढ़ती उम्र में टीम की कमान संभाली थी।

21 मार्च 1947 को क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट में हैमंड 43 साल 279 दिन की उम्र में कप्तान बने। यह टेस्ट इतिहास का 284वां मुकाबला था। अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी के लिए मशहूर हैमंड ने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना प्रभाव बनाए रखा।

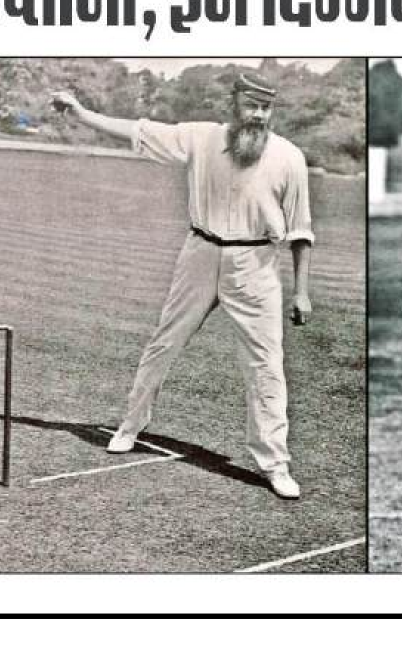

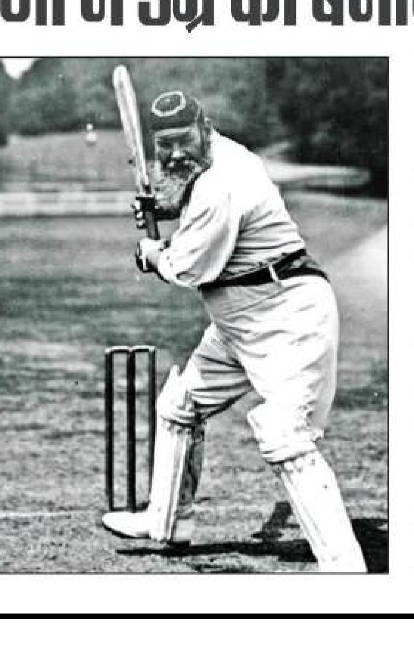

आस्ट्रेलिया के वारेन बाईसले भी इस सूची में शामिल हैं। 24 जुलाई 1926 को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट में उन्होंने आस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। उस समय उनकी उम्र 43 साल 233 दिन थी। एशेज जैसी प्रतिष्ठित सीरीज में इतनी उम्र में टीम का नेतृत्व करना उनके अनुभव को दर्शाता है।

आधुनिक दौर में पाकिस्तान के मिस्बाह-उल-हक ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। 10 मई 2017 को रोजो में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच में उन्होंने 42 साल 351 दिन की उम्र में पाकिस्तान की कप्तानी की। मिस्बाह ने अपने अनुभव और अनुशासित नेतृत्व के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अलग पहचान बनाई। इन सभी खिलाड़ियों के करियर यह दिखाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में अनुभव और नेतृत्व क्षमता कई बार उम्र की सीमाओं से कहीं आगे निकल जाती है।

अच्छी नींद पाने के लिए रोज करें ये काम

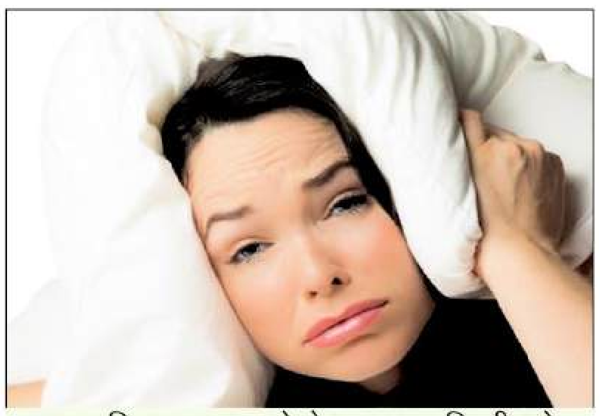

सारा दिन काम करने के बाद हर किसी को इंतजार होता की वे कब घर जाएं और रात को चैन की नींद सोएं। अच्छी नींद अच्छे स्वास्थ्य की भी निशानी होती है लेकिन कुछ लोगों की नींद बिस्तर पर जाते ही उड़ जाती है और वो रात भर जागते रहते हैं। जिस वजह से सारा दिन थकावट और सुस्ती बनी रहती है। कुछ लोग तो रात को आराम से सोने के लिए नींद की दवाइयों का भी सेवन करते हैं लेकिन कुछ छोटे-छोटे उपायों की मदद से भी नींद न आने की परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

साफ-सुथरा बिस्तर

घर चाहे छोटा हो या बड़ा बिस्तर हमेशा साफ-सुथरा ही होना चाहिए। कमरे में गंदगी होने से भी नींद नहीं आती। अपने कमरे में अपनी पसंद की चादर,शो पीस और लैंप रखें। कमरे का माहौल अच्छा होगा तो नींद भी बढ़िया आएगी।

आंखों को दें आराम

रात को देर तक मोबाइल चलाने से भी नींद पर बुरा असर पड़ता है। याद रखें कि जितने आराम की जरूरत आपको है, उतना ही आराम आंखों को भी दें। नियम बनाएं की रात के समय मोबाइल न चलाएं।

लाइफस्टाइल बदलें

कई बार आपकी कुछ आदतें भी नींद न आने का कारण बन जाती है। समय की कमी होने के कारण अगर आप सुबह योग या एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे तो शाम को जरूर एक्सरसाइज करें।

हल्का खाना खाएं

रात को हैवी खाना खाने से भी नींद न आने की परेशानी हो सकती है। रात के समय हल्का-फुल्का खाना खाएं। जिससे पेट में गैस बनने की परेशानी नहीं होगी।

दोस्ती का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। हर किसी की लाइफ में कोई ऐसा दोस्त जरुर होता है जो आपके लिए सब कुछ करने को तैयार होता है। इस रिश्ते में आप कुछ भी कहने से पहले हिचकिचाते नहीं लेकिन दोस्ती करना जितना आसान होता है उतना ही निभाना मुश्किल होता है। आज हम आपको कुछ ऐसी बाते बताएगें जो आपके लिए सिर्फ आपके दोस्त ही कर सकते है।

सिर्फ बेस्ट फ्रेंड ही करते है आपके लिए ये काम

आपको जज करना

बेस्ट फ्रेंड के साथ आप वैसे ही रहते है जैसे आप रहना चाहते है, क्योंकि वो आपको कभी जज नहीं करते। इसके अलावा वो आपको कोई भी बात करने के लिए मना भी नहीं करते है।

आपके सीक्रेट शेयर करना

आप अपने सीक्रेट किसी से भी शेयर करने से पहने कई बार सोचते है लेकिन अपने ब्स्ट फ्रेंड के सामने आप आराम से अपने सारे सीक्रेट शेयर कर सकते है। इसलिए बेस्ट फ्रेंड बहुत खास होते है।

बुरे वक्त में आते है काम

अगर आपको कभी किसी चीज की जरुरत हो तो आपको सबसे पहले आपना बेस्ट फ्रेंड ही याद आता है। आपके दोस्त भी बुरे वक्त में आपकी मदद करने के लिए फोरन चैयार हो जाते है।

सफलता में खुश होना

आपकी सफलता में किसी को खुशी हो न हो लेकिन आपके बेस्टी को सबसे ज्यादा खुशी होती है। आपके असफल होने पर भी वो आपके साथ खड़े रहकर आपकी मदद करते है।

आपकी तारीफ करना

बेस्ट फ्रेंड लोगों के सामने आपकी तारीफ करते नहीं थकते। इसके अलावा अगर कोई आपकी बुराई भी कर रहा होता है तो वो उससे भी लड़ पड़ते है। आपके बेस्ट फ्रेंड आपकी बुराई सुनना पंसद नहीं करते है।

मेकअप नहीं ये पेस्ट करेगा कमाल

लाएगा चेहरे पर नई चमक...

आज का दौर तेजी का दौर है. आज हर लोग इतने व्यस्त हैं कि समय बचाने के लिए वह तरह-तरह के गैजेट यूज करते हैं. काम का बोझ इतना कि खुद का ख्याल रख पाने का भी समय नहीं मिलता. बढ़ता प्रदूषण और तनाव अच्छे भले चेहरे को मुरझाए हुए फूल सा बना सकता है. व्हाइट हेड्स, ब्लैक हेड्स ऐसी समस्याएं हैं, जिनसे छुटकारा पाया तो जा सकता है, लेकिन समय की कमी के चलते हम पार्लर ही नहीं जा पाते और इन्हें छिपाने के लिए इस्तेमाल करते हैं मेकअप का. लेकिन अगर हम आपको एक ऐसे पेस्ट या पैक के बारे में बताएं, तो कम समय लेते हुए आपकी इन समस्याओं को दूर कर देगा तो आप क्या कहेंगे... व्हाइट हेड्स और ब्लैक हेड्स हटाने के लिए आपको लोग जाने कितने तरह के उपाय बता देंगे. पार्लर वाली तो जाने कौन-कौन सी ट्रीटमेंट और पैकेज आपके सामने रखेगी. अगर आप चाहती हैं कि काम सस्ते में बने तो रुख करें अपने किचन का...

नमी देना है जरूरी

इस पैक से मसाज लेने के बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धोएं. इसके बाद टोनर का इस्तेमाल करना अच्छा साबित हो सकता है. अगर आपकी त्वचा ऑयली है या फिर आप पैक लगाने में आलस करते हैं, तो इस बात को सुनिश्चित करें कि आप कभी भी त्वचा को नमी देना न भूलें. रात को सोते समय या नहाने के बाद अपने चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं.

बेसन के साथ दही और कॉफी का कमाल...

व्हाइट हेड्स और ब्लैक हेड्स से निजात पाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच दही लें. इसमें इसकी आधी मात्रा में कॉफी पाउडर मिला लें और अब बेसन डाल कर अच्छे से घोल लें. जितनी भी गांठें बनी हों उन्हें हटा लें. इस पैक को चेहरे पर लगाएं, एक मिनट के बाद हल्की मसाद करें. इससे व्हाइट हेड्स और ब्लैकहेड्स दोनों ही दूर होंगे.

अब नहीं मेकअप की जरूरत...

अगर आपने दही, बेसन और कॉफी पाउडर वाला पैक लगाया है, तो अब आप कहीं भी बिना मेकअप के जा सकती हैं. अब लोग आपके व्हाइट हेड्स और ब्लैक हेड्स को नहीं आपकी दमकती त्वचा को नोटिस करेंगे.

घर में कहां रखें बांसुरी

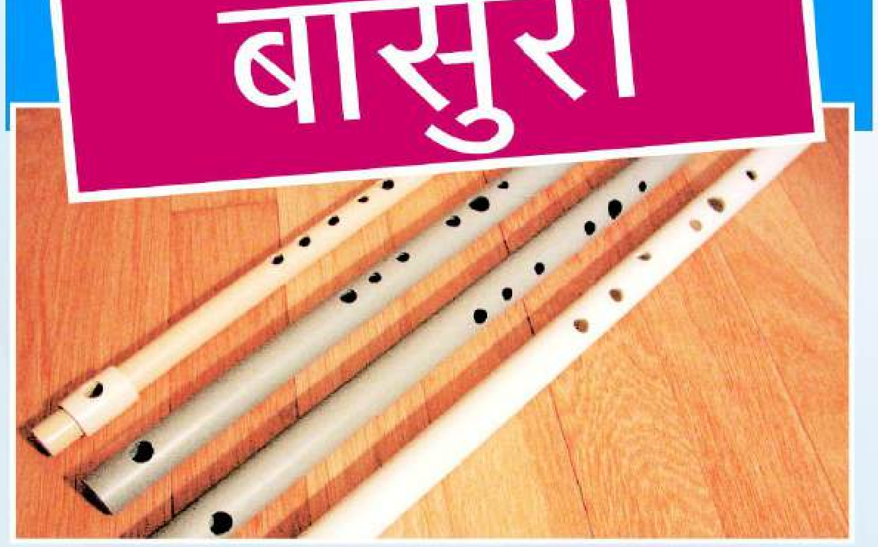

घर में बांसुरी ऐसे स्थान पर रखनी चाहिए, जहां से वह हमेशा आसानी से नजर आती रहे। किसी दीवार पर भी सुंदर सी बांसुरी लगाई जा सकती है। इससे घर की सुंदरता में भी वृद्धि होगी। अगर घर में कोई न कोई सदस्य हमेशा बीमार रहता हो, तो उसके कमरे के दरवाजे पर व उसके सिरहाने बांसुरी का उपयोग अवश्य करना चाहिए। अगर आपको व्यापार व नौकरी में लगातार असफलता मिल रही हो या मेहनत के अनुसार फल न मिल रहा हो, तो अपने कमरे के दरवाजे पर दो बांसुरी लगाएं। अगर आप आध्यात्मिक रूप से उन्नति चाहते है, या फिर किसी प्रकार की साधना में सफलता चाहते है तो, अपने पूजा घर के दरवाजे पर भी बांसुरी लगाये, शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। लेकिन इस बात का ध्यान देना जरूरी है कि बांसुरी कभी भी सीधी नहीं लगानी चाहिए, बल्कि इसे हमेशा तिरछा लगाने से लाभ मिलता है। साथ ही बांसुरी का मुंह हमेशा नीचे रहना चाहिए। बाजार में कई प्रकार की सुंदर और मनमोहक बांसुरियां मिलती हैं। जैसे बांस की, लोहे की, स्टील की या अन्य किसी धातु की। सामान्यतया हमें घर में बांस की बनी हुई बांसुरी ही रखना चाहिए। आपके घर में बांसुरी नहीं है तो अपनी अगली शॉपिंग लिस्ट में इसका नाम भी शामिल कर लीजिए।

पुरानी साड़ियों को फैंकने की बजाए बनाए स्टाइलिश सूट

अक्सर साड़ियों के पुराने होने पर आप उसे फैंक देती है। कई बार तो आपके पास इतनी सारी साड़ियां हो जाती है कि आपको समझ नहीं आता कि क्या करें। इसके अलावा फैशन पुराना होने पर आप उसे पहनना भी पंसद नहीं करती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप अपनी पुरानी साड़ियों को फैंकने की बजाए एक नया लुक दे सकती है।

1. बनारसी या ब्रॉकेड सिल्क साड़ी

हर महिला के पास बनारसी साड़ी तो होती है लेकिन फैंशन पुराना हो जाने पर आपका उसे पहनने का दिल नहीं करता है। ऐसे में आप अपनी साड़ी को नया लुक देने के लिए डिजाइनर सूट सिलवा कर खुद को ट्रेडिशनल लुक दे सकती है।

2. प्लेन जॉर्जट साड़ी

प्लेन साड़ी को नया लुक देने के लिए आप उस पर प्रिंट करवा कर सूट सिलवा सकती है या फिर आप प्लेन कमीज बनवा कर उसके साथ प्रिंटेड सलवार ले सकती है। इसके अलावा पूरा प्लेन सूट सिलवा कर उसके साछ प्रिंटेड दुपट्टा ले सकती है।

3. पोलका डॉट्स साड़ी

इस तरह की साड़ी हर किसी के पास आराम से देखने को मिल जाती है लेकिन यह ज्यादा समय तक फैंशन में नहीं रहती है। ऐसे में आप इससे अपने लिए दुपट्टा, सूट या फिर अन्य ड्रेस बनवा सकती है।

4. प्रिंटेड साड़ियां

अक्सर आप कई तरह के प्रिंट में साड़ियां खरीद लेती है लेकिन बाद में उन्हें पहन कर आप बोर हो जाती है। अपनी उन प्रिंटेड साड़ियों से आप कुर्ते सिलवा सकती है। इसके अलावा आप इससे आप अलग-अलग तरह के डिजाइनर सूट भी सिलवा सकती है।

5. अलग-अलग रंगो वाली साड़ी

अगर आपके पास अलग-अलग रंग में साड़ी है तो उसे आप एक-दूसरे के साथ मेच करके सूट बनवा सकती है। दो अलग-अलग रंगों वाले सूट को काफी पंसद किया जा रहा है।

फायदेमंद है कोकोआ बटर

कोकोआ बटर, कोकोआ प्लांट से मिलता है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, मैंगनीज, आयरन और कॉपर जैसे गुण भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं साथ ही इसमें सेरोटोनिन और ट्राईपटोन भी पाये जाते हैं। कोकोआ बटर आपकी त्वचा और दिमाग को तेज बनाने के लिए बेहतर होता है। इसे त्वचा में लगाने के अलावा आप इसका सेवन भी कर सकती है।कोकोआ बटर प्राकृतिक फैट है, जो कोको बीन्स से प्राप्त होती है। इसके अलावा इसे थियाब्रोंमा तेल के रूप में जाना जाता है, कोकोआ बटर का रंग हल्का पीला होता है और इसे कोको बीन्स से निकाला जाता है। मध्य और दक्षिण अमेरिका में इसकी उपज होती है और कोकोआ बीन्स का इस्तेमाल कोकोआ बटर बनाने में होता है। यह लगभग हर सौंदर्य प्रोडक्ट का सबसे लोकप्रिय घटक होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

शुष्क त्वचा के लिए फायदेमंद

कोकोआ बटर त्वचा को अच्छे से मॉश्चराइज करता है और यह न केवल अपनी त्वचा को हाइड्रेट करता है बल्कि त्वचा में भीतर से कसाव लाने में मदद करता है। यह एंटीऑक्सीडेंट का बहुत बड़ा स्रोत; कोकोआ बटर शुष्क, परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत करता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ई और विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है। इन दोनों विटामिन से चेहरे पर रौनक आती है और त्वचा सम्बंधी समस्याएं दूर हो जाती है।

होंठों के लिए बेस्ट

कोकोआ बटर होंठों के लिए भी अच्छा होता है, यह फटे और सूखें होंठों को ठीक करने में मदद करता है। इसे अपने घरेलू लिप बॉम में अन्य आवश्यक तेलों के साथ एक घटक के रूप में मिला सकते हैं। या दो बड़े चम्मच कोकोआ बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लीजिए। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला दीजिए। इसमें कोकोआ बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद ब्रश की मदद से होठों पर लगाइए। इससे आपके होंठ मुलायम हो जायेगें।

मुंह के घावों को भरें

अगर आप मुंह के छालों से परेशान हो तो कोकोआ बटर आपकी इस समस्या को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। मुंह में छाले होने पर थोड़ी सी मात्रा में कोकोआ बटर लेकर अपने छालों पर लगा लें। कुछ देर ऐसे ही रखने के बाद कुल्ला कर लें।

उम्र के निशान को कम करें

कोकोआ बटर में ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, और स्टीयरिक अम्ल सहित एंटीऑक्सीडेंट तत?व उच्च मात्रा में होने के कारण यह एजिंग के निशान को रोकता है। अध्ययन के अनुसार, कोकोआ बटर में बड़े पैमाने में पॉलीफेनोल्स होता है जो उम्र बढ़ने के संकेत को रोकता है। यह त्वचा की टोन, लोच में सुधार और त्वचा को हाइड्रेट्स कर उम्र बढ़ने के असर को धीमा करता है। अगर आप अपनी त्वचा को हमेशा जवां दिखाना चाहती है तो इसका इस्तेमाल जरूर करें।

चकत्ते, संक्रमण और जलन कम करें

अगर आप थोड़ी सी शुद्ध कोकोआ मक्खन को प्रभावित हिस्से पर लगते हो तो यइ इसे जल्द ठीक कर सकता है। हालांकि कोकोआ बटर का केवल शुद्ध रूप ही चकत्ते, संक्रमण और जलन को ठीक करने में मदद करता है क्योंकि मिलावट वाले कोकोआ बटर में अल्कोहल और सुगंध होती है जो समस्या को खराब कर सकती है।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)